हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 जनवरी, 1999

खण्ड–1 अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 28 जनवरी, 1999

	पृश्ठ संख्या
राज्यपाल का अभिभाशण	(1)1
(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(1)16
भाोक प्रस्ताव	

घोशणाएं–	
(क) अध्यक्ष महोदय द्वारा–	
(i) चेयरपर्सनज केक नामों की सूची	(1)26
(ii) याचिका समिति	(1)26
(ख) सचिव द्वारा–	
राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी	(1)26
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(1)27
बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट पे ा करना	(1)28
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज–पत्र	(1)35
वि ोशधिकार मामलों के संबंध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारंम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना	(1)37
(i) श्री भजन लाल भूतपूर्व एम एल ए (अब सांसद) के विरूद्ध	(1)37
(ii) इंडियन ऐक्सप्रैस के संवादाता, संपादक, प्रका ाक तथा मुद्रक के विरूद्ध	(1)38

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 28 जनवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 15.27 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, in pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly at 2-00 P.M. today, the 28th January, 1999, under Article 176(1) of the constitution.

A copy of the address is laid on the Table of the House.

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण

हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के प्रथम अधिवे ान में आप सबका स्वागत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्श को रहा हैं इस अवसर पर मै आप सबकों हार्दिक भ्ाुभकामनाएं देता हूं।

माननीय सदस्यगण, हम राश्ट्रपति महात्मा गांधी की भाहादत की 50 वी पुण्यतिथि मना रहे हैं गत वर्श 30 जनवरी को मैने राज्य स्तरीय सघन सफाई अभियानल का भ्ाुभारमी भी किया था, जिसे पूरा वर्श जारी रखा गया। इस वर्श 30 जनवरी को पलवल में एक राज्य स्तरीय समारोहत का आयोजन किया जा रहा ळै। ायहां पर जिलयांवाला बाग के नरसंहार के प चात् अमृतसर जाते हुए महात्मा गांधी जी को गिरफ्तार किया गया था। इसी स्थान पर गांधी जी की स्मृति में एक सार्वजनिक पार्क का विकास किया जा रहा है।

इसी तिथि को राज्य के भाहरी क्षेत्रों में हरियाणा अजैव अनाि ात कूड़ा–कचरा (नियन्त्रण) अधिनियम, 1998 भी लागू किया जायेगा। इस अधिनियम में सार्वजनिक जल निकास प्रणाली में सामग्री फेंकने पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने तथा पॉलिथीन की थैलियों, दूध की थैलियों और रसायनिक अपि ाश्ट के अविवेकपूर्ण निपटान को रोकने का प्रावधान हैं रंगदार पुननिर्मित पॉलिथीन की थैलियों के उपयोग पर भी इस अधिनियम के अन्तर्गत प्रतिबन्ध लगाया जा रहा हैं

लोकपाल

माननीय सदस्यगण, भ्रश्टाचार का अभि ााप हमारी राज्य व्यवसाि तथा प्र ाासकीय म ाीनरी के मूलाधार को नश्ट कर रहा हैं मेरी सरकार ने सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता सुनि ित

करने पर सदैव सबसे अधिक बल दिया हैं तथा इस बुराई को रोकने के लिए दृढ़ संकल्प हैं इस उद्दे य के मद्देनजर, भ्रश्टाचार जैसी बुराई को समाप्त करने के लिए मेरी सरकार ने लोकपाल की संस्था का सृजन कर, हरियाणा लोकपाल अधिनियम, 1997 की धारा 3 के अन्तर्गत लोकपाल की नियुक्ति भी कर दी हैं माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप जानते है, इस गरिमामय सदन मने लोकपाल को बहुत रूापाक ाक्तियों प्रदान की हैं यहां तक कि राज्य में उच्चतम पदों पर आसीन व्यक्तियेां, जिनमें मुख्य मंत्री, मंत्रीगण, विधायक, जिला परिशदों के अध्यक्ष तथा मुख्य सचित से लेकर नीये के सभी अधिकारी भाामिल है, के विरूद्ध ि ाकायतों की जांच करने के लिए उनहें अधिकृत किया गया है।

बिजली

राज्य की बिजली उत्पादन, पारेशण तथा वितरण प्रणाली अपर्याप्त निवे ा के कारण पूर्णतः अस्त व्यस्त थी। मेरी सरकार ने राज्य में सभी प्रकार के उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने हेतु सम्पूर्ण व्यवस्था में सुधार करने के लिए भरसक प्रयास किय हैं

बिजली उत्पादन के क्षेत्र मे ंवर्श 1995–96 तक अपनी कुल 863 मैगावाट बिजली उत्पादन क्षमता की तुलना में मेरी सरकार ने अपले 18 महीनों में लगभग 1200 मैगावाट और बिजली उत्पादन करने के लिए कई ठोस उपाय किये हैं 210 मौगावाट

पानीपत तापीय बिजली संयन्त्र यूनिज–6, राश्ट्रीय तापीय विद्युत निगम का फरीदाबाद में 432 मेगावाट का गैस आधारित बिजली संयन्त्र, निजी क्षेत्र में 300 मैगावाट की तरल ईधन क्षमता, पानीपत तापीय बिजलीघर में 270 मैगावाट बिजली उत्पादन की बढ़ौतरी और भाखडत्रा बिजलीघरों का नवीकरण तथा कार्यक्षमता की अवधि बढ़ाना कुछेक ऐसी परियोजनाए है, जिन पर काम किया जा रहा है।

मेरी सरकार द्वारा यमुनानगर का तापीय बिजली परियोजना को पुनः आरम्भ किया गया है। पारदि र्ता सुनि चत करने के लिए यमुनानगर में 500 मैगावाअ वाले तापीय बिजली उत्पादन केन्द्र के लिए स्वतन्त्र बिजली उत्पादक (आई0पी0पी0) के चयन हेतु वि व–निविदाएं आमन्त्रित की गई थी। इन्हें अब अन्तिम रूप यदि याज रहा है`आ ाा की जाती है कि आगामी वित्त वर्श के दौरान इस परियोजना पर कार्य आरमी हो जायेगा। इण्डियन ऑयल आफ कॉरपोरे ान द्वारा पानीपत में 301 मैगावाट का एक अन्य बिजली संयन्त्र स्थापित किया जा रहा है, जिसमे ंपानीपतत रिफायनरी के अवि ाश्ट ईंधर को इस्तेमाल किया जाएगा और यह बिजली पूर्णतया हरियाणा के लिए होगी। अंटा, औरेय, ऊँचाहार और हरहंद की विस्तार परियोजनाअें के लिए राश्ट्रीय तापीय बिजली निगम के साथ दीर्घावधि बिजली खरीद संविदाओं पर हस्ताक्षर किए हैं आगामी 2–3 वर्शो में इनसे हरियणा राज्य की 300 मैगावाट बिजली मिलेगी।

वर्श 1998–99 के दौरान पारेशण तथा वितरण प्रणाली को सृदृढद्य करने की प्रक्रिया में और तेजी लायी गई। रोहतक में एक नया 220 के0 वी0 वाला उपकेन्द्र, अम्बाला छावनी के औद्योगिक क्षेत्र में 66 के0 वी0 वाला उपकेन्द्र, धर्मगढत्र, द्वारका, जसारेखेड़ी, भिवानी रोहिला, अम्बाला, छावनी, महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय, रोहतक, टयून्था, मॉडल टाउन, रिवाड़ी में 33–33 के0 वी0 वाले 6 उपकेन्दें, 132 के0 वी0 वाले 9 उप–केन्द्रों, 66 के0 वी0 वाले 4 उप–केन्द्रो और 33 के0 वी0 वाले 10 उप केन्द्रों की क्षमता में संवर्धन किया गया हैं

इस दि ाा में किये गए भरसक प्रयत्नों के परिणाम अब नजर आने लगे है। गत वर्श के दौरान प्रतिदिन 348 लाख यूनिट की बिजली उपलभ्यता के मुकाबबले इस वर्श प्रतिदिन 371 लाख यूनिट बिजली की उपलभ्ययता हुई, जोकि 6 प्रति ात से अधिक वृद्धि रही।

बिजली के क्षेत्र में वुनियादी सुधार लाने के लिए मेरी सरकार को दे ा में अग्रणी माना गया हैं इस गरिमामय सदन द्वारा जुलाई, 1997 में हरियाणा बिजली सुधार विधेयक पारित करने के प चात एक स्वतन्त्र हरियाणा बिजली विनियामक आयोग की स्थापना की गई है ओर हरियाणा राजय बिजली बोर्ड को अगस्त, 1998 में बिजली उत्पादन और परेशण, दो अलग–अलग कम्पनियों के रूप में पुनर्गठित किया गया हैं वितरण हेतु जिन दो अलग अलग कम्पनियों को भीघ्र ही स्थापना की जा रही है, वे

भागीदारी में राज्य सरकार की कम्पनियों होगी। इनमें से एक को संयुक्त उद्यम कम्पनी बना दिया जायेगा।

वर्ष 1997–98 में बिजली क्षेत्र में 287 करोड़ रूपये के वार्षिक निवेश की तुलना में इस वर्ष 430 करोड़ का निवेश किया जाएगा जोकि 1999–2000 में बढ़कर 500 करोड़ रूपये हो जाएगा। इसके अतिरिक्त मेरी सरकार वर्ष 1998–99 में किसानों को सहायता अनुदान के रूप में 364 करोड़ रूपये देगी। यह राशि 1999–2000 के दौरान कुल निवेश 912 करोड़ रूपये तक हो जाएगा। यह निवेश मुख्यतः बिजली पारेषण औरवितरण प्रणाली को सुदृढ करने के लिए किया जाएगा ताकि बिजली उपभोक्ताओं को सुनिश्चित रूप से बेहतर गुणवत्ता वाली बिजली मिल सके। इस लक्ष्य को प्रापत करने के लिए विश्व बैंक से 2400 करोड़ रूपये की कर्जसहायता की वचनबद्धता प्राप्त की गई और जनवरी, 1998 में 240 करोड़ रूपये की पहली किस्त स्वीकृत हुई। यह राशि निर्धारित समय के मुताबिक प्राप्त हो रही हैं विश्व बैंक की योजना के तहत सामग्री की प्राप्ति होनी शुरू हो गई है और कार्य निर्माणधीन हैं

गैर परम्परागत ऊर्जा

मेरी सरकार का उद्देश्य है कि ऊर्जा के सभी सम्भव स्त्रोतों का पूरा–पूरा लाभ उठाया जाए। गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोंतो पर आधारित बिजली परियोजनाओं की स्थापना हेतु निजी

निवेश को आकर्शित करने तथा राज्य में बिजली की मांग तथा आपूर्ति के अन्तर को पूरा करने के उद्दे य से मेंरी सरकार ने सौर ऊर्जा, बायोमॉस–बेकार वस्तुओं से ऊर्जा, माइक्रो जल विद्युत/लघु जल विद्युत परियोजनओं से बिजली उत्पादन हेतु एक लाभदायक विद्युत नीति की घोशणा की हैं इस नीति के उत्साहजनक परिणाम नजर आ रहे है ओर कुछेक समझौतों को अन्तिक रूप दिया जा रहा हैं

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

21वी भाताब्दी की तेयारी में मेरी सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास के कार्य को उचित महत्व दे रही हैं

टि I–कल्चर प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए हिसार में 4.97 करोड़ रूपये की कुल लागत से 10 एकड़ भूति पर एक अनुसंधान तथा अनुप्रयोग परियेाजना की स्थापना की जा रही हैं पंचकूला में एक राज्य स्तरीय प्राकृतिक संसाधन आंकड़ा प्रबन्धन पद्धति केन्द्र ने कार्य करना आरम्भ कर दिया हैं इस केन्द्र का कुल परिव्यय 90.80 लाख रूपये है जो भारत सरकार तथा हरियाणा राजय द्वारा क्रम I: 75 व 25 के अनुपात से वहन किया जायेगा।

इलैक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी

मेरी सरकार सूचना प्रौद्योकी के महत्व को पूरी तरह समझती है क्योंकि राज्य के विकास में इसकी अए अहम भूमिका

है। अतः इसके विकास के लिए एक कार्य योजना तैयार करने पर विचार चल रहा है। इलैक्ट्रॉनिकी भाहर गुडगांव में हारट्रॉन द्वारा सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क का विकास किया जा रहा है। हारट्रॉन द्वारा अम्बाला छावनी में उपकरण डिजाइन विकास एवं सुविधा केन्द्र तथ गुडगांव में इलैक्ट्रॉनिक अनुसंधान विकास एवं सुविधा केन्द्र स्थापित किये गये है।

बेरोजगार युवकों के लिए कम्पयूअर प्र ाक्षण केन्द्र स्थापित किये जा रहे है ताकि उन्हें विकास ील इलैक्ट्रॉनिकी तथा कम्पयूटर क्षेत्रों में रोजगार मिल सकें।

सिंचाई

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार सिंचाई नेटवर्क को सुचारू रूप से चलाने को उच्च प्राथमिकता देतीा हैं नहरों के अन्तिम छोर तक पानी की आपूर्ति सुनि चत करने के लिए सिंचाई जलमार्गो से समय पर घात–पात तथा गाद निकालने का कार्य किया गया हैं नहर पद्धति को आधुनिक बनाया जा रहा है तथा जल की चोरी को रेाक जा रहा है ातकि नहरी पानी सीाी लाभार्थियों को प्राप्त हो सकें उठान सिंचाई स्कीमें, जिनको पम्प गृहों के खराब होने के कारण तथा जलमार्गो में गाद भरने के कारण नुकसान हो रहा था, को क्रमबद्ध तरीके से पम्पों की अत्यधिक मरम्मत करके तथा जलमार्गो की गात निकाल कर ओर उनकी खुदाई करके उन्हें कार्य करने योग्य बनाया गयाहैं

माननीस सदस्य गण, इन उपायों की वजह से सिचांई क्षेत्र में अत्यधिक बढौतरी हुई हैं ये क्षेत्र वर्श 1997–98 के दौरान बढ़कर 21.93 लाख हैक्टयेर हो गया, जो कि एक कीर्तिमान हैं यह वर्श 1995–96 के दौरान सिचित क्षेत्र से 2.43 लाख हैक्टेयर अधिक हैं मेरी सरकार पंजाब में सतलुज यमुना योजक नहर के पूरे नह होने पर अत्यधिक चिन्तित है ओर इसके लिए निरन्तर केन्द्र सरकार पर दवाब डाल रही हैं इस निरन्तर प्रयास करेगे कि हरियाणा राज्य को न्याया मिले। मेरी सरकार ने इस प्रयोननार्थ 9वी पंचवर्शीय योजना के दौरान 45 करोड़ रूपये का उपबन्ध किया है।

राज्य को बाढ़ के प्रकोप से बचाने के लिएजिल निकास प्रणाली को पूर्णतः ठीक रके उसमें क्रमिक सुधार लाया जा रहा है। मेरी सरकार ने जल निकास और बढ़ते जल स्तर की समस्या का अध्या करने हेतु चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार के कुलपति की अध्यक्षता में एक वि ोशज्ञ समितिन नियुक्त की है ंसमिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है, जेा कि सक्रिय रूप से विचारधीन हैं मेर ीसरकार इस गम्भीर समस्या को समाधान हेतु महत्वकाँक्षी कार्यक्रम तैयार कर रही है।

वि व बैक सहायता प्रापत 'जल संसाधन समेकन परियोजना' के अन्तर्गत संरचनाओं का पूननिर्मार्ण, नहर प्रणाली का आधुनिकीकरणा, हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण तथा उप–सतही

जल–निकास के लिए मार्गद र्ी स्कीमों के निर्माण का कार्य भुरू कर दिया गया है।

हथनीकुण्ड बैराज, जो जो कि एक भाताब्दी पुरान ताजेवाला हैडवर्क्स का स्थान होगा, का निर्माण कार्य मेरी सरकार द्वारा 14 अक्तूबर, 1996 को भुरू किया गया था और इस कार्य को अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अन्तर्राजतीय परियोजना के 219 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से जून, 1999 तक पूरा हो जाने की सम्भावना हैं

राश्ट्रीय कृशि तथा ग्रामीण विकास बैंक ने पूरे राज्य मे सिंचाई सुविधाएं बढ़ाने और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में जल निकास में सुधार करने के लिए कुल चार ग्रामीण अवस्थापना विकास निधि परियोजनाएं स्वीकृत की हैं इनकी कुल लागत 212.40 करोड़ रूपये होगी।

राज्य सरकार ने रिवाड़ी उठान सिंचाई स्कीम को नाबार्ड से अनुमोदित करवाने के लिए भी वि ोश प्रयत्न किए हैं नाबार्ड इस कार्य के लिए 39.60 करोड़ रूपये उपलबध करवायेगा। इससे अहीरवाल की जनता की आकांक्षाएं पूरी होगी, जोकि पूर्ववर्ती सरकारेां द्वारा उपेक्षित की जाती रही है। 99 गॉवों में फैला 78790 एकड़ को भू–भाग इस स्कीम से सिंचाई अधीन आ जाएगा।

माननीय सदस्यगण, पंजाब में बहने वाली भाखडत्रा नहर और नरवाना भााखा द्वारा हरियाणा के हिस्से का जल लाया जाता है। हरियाणा सम्पर्क स्थान पर इन जल मार्गों की जल वाहन क्षमता 10700 से घटकर 9100 क्यूसेक रह गई हैं अतः पंजाब को इन जलमागों की जल वाहन क्षमता 10700 से घटर 9100 क्यूसेक रह गई हैं अतः पंजाब को इन जलमागों के आवर्धन/मरम्मत निर्माणकार्य को पूरा करने के लिए कहा गया है तथा इसके लिए उसे 10.84 करोडत्र रूपये की रा ि ा दी गई हैं इसके परिणामस्वरूप बी0एम0एल0 की जल क्षमता लगभग 1000 क्यूसके तथा नरवाना भााखा की जल क्षमता 600 क्यूसेक बढ़ जायेगी।

कृशि

माननीय सदस्यगण, प्रगति ील कृशि के लिए हरियाणा का दे ा में प्रमुख स्थान हैं

वर्श 1998–99 के लिए खाद्यान्नों के उत्पादन का लक्ष्य 118.50 लाख टन रखा गया है, जिसमें 34.50 लाख टन खरीफ के लिए और 84 लाख टन रबी फसल के लिए हैं इन लक्ष्यों को प्राप्त करने ` लिए कृशि उपयोगी पदार्थों की समय पर आपूर्ति हेतु क्रमबद्ध सुधार किये जा रहे है। इस प्रक्रिया में खरीफ 1998 के दौरान विभिन्न के 98 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किये गये जबकि पिछली खरीफ के दौरान 87 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किये गये थें रबी 1998–99 के दौरान विभिन्न रबी

फसलों के 2.96 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज किसानों में वितरित किये गये जबकि पिछले रबी मौसम के दौरान 2.26 लाख क्विंटल बीज वितरति किये गये थे। खरीफ 1998 के दौरान उर्वरक खपत 3.29 लाख मीट्रिक टन (पोशक तत्व) रही ओर रबी 1998–99 के दौरान खपत 5.21 लाख मीट्रिक टन (पोशक तत्व) के एक नये ि ाक्षर को छूने की सम्भावना हैं

अक्तूबर, 1998 मास में हुई बे मौसमी वर्शा तथा तेज हवाओं के कारण खरीफ फसलों की भावी पैदावार पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ा है तथा राज्य में उत्पादन घट कर 29.77 लाख टन रह गया। लगातार वर्शा के कारा कपास की फसल को भी भारी नुकसान हुआ, ,जिससे 15 ालख गाँठों के उत्पादन लक्षय की तुलना में इनका उत्पादन घटरकर लगी 8.63 लाख गाँठे हुआ। इसी प्रकार गन्ने का उत्पादन (गुड़ के मामले में) 7.20 लाख टन होने की संभावना हैं जबकि लक्ष्य 9 लाख टन था।

तथापि, पिछले वर्श की तुलना में अधिक क्षेत्र में रबी फसल की बुवाई हुई हैं राज्य को चालू रबी मौसम में खाद्यान्नों के उतपादन में 84 ालख टन का लक्ष्य प्राप्त कर लेने की आ ाा है। खरीफ और रबी को मिला कर चालू वर्श के दौरान खाद्यान्नों का उत्पादन 114.42 लाख टन होने की आ ाा है।

अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए चालू वर्श के दौरान फास्फेटयुक्त उर्वरकों पर 150 करोडत्र रूपये की रा ि ा

उपदान के रूप में दी जायेगी जबकि वर्श 1997–98 के दौरान यह रा ि ा केवल 127.85 करोड़ रूपये थी। खरीफ 1998 के दौरान 718.28 करोड़ रूपये तक के फसली कर्जे दिये गये, जबकि खरीफ 1997 के दौरान 609.04 करोड़ रूपये के कर्ज वितरित किये गए थे। चालू रबी मौसम के दौरान 781.70 करोड़ रूपये के फसली कर्जो का वितरण किया गया था।

बागवानी

मेरी सरकार, फलों और सबिज्यों तथा फलों ओर खुम्भी के विकास की ओर वि ोश रूप से ध्यान दे रही हैं फालें के तहत बागवानी क्षेत्र तथा उत्पादउन वर्श 1997–98 के अन्त तक क्रम ा 23800 हैटेयर तथा 1.76 लाख टन से बढ़कर वर्श 1998–99 के अन्त तक क्रम ाः 25800 हैक्टेयर तथा 1.90 लाख टन को जाने की सम्भावना है ंसब्जियों के अधीन भी क्षेत्र तााि उकसा उत्पादन बढ़ा है। वर्श 1997–99 के अन्त तक एल लाख हैटेयर क्षेत्र तथा 13.50 लाख टन के मुकाबले वर्श 1998–99 के दौरान सब्जियों के अधीन 1.05 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाने तथा उनके 16.50 लाख टन उत्पादन का कार्यक्रम हैं

वर्श 1997–98 के अन्त तक खुमीी की पैदावार बढत्र कर 2680 टन हो गई। वर्श 1998–99 काउत्पादन लक्ष्य 3200 टन है ंवर्श 1998–99 के दौरान फूलों की खेती अधीन क्षेत्र बढ़ कर 2200 हैक्टेयर हो जाने की सम्भावना हैं किसानों में ग्रीन हाउस

प्रौद्योगिक लोकप्रिय हो रही हैं और वर्श 1997–98 के अन्त तक 106 ग्रीन हाउस बना लिये गये हैं

सार्वजनिक वितरण प्रणाली

राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत 7695 उचित मूलय की दुकानों के माध्यम से अनिवार्य वस्तुओं का वितरा किया जारहा है। राज्य में कुल 3411548 रा ान कार्ड धारक हैं गरीबी की रेखा से नीचेरहने वाले परिवाों के नये रा ान कार्ड बनाने का कार्य चल रहा है और यह कार्य 15 अप्रैल, 1999 तक पूरा हो जायेगा। लगभग 7 लाख ऐसे रा ान कार्ड बनने की समीावचन है। मूल्यवृद्धि को रोकने के लिए, काला बाजारी ओर आव यक वस्तुओं की जमाखोरी पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सहकारिता

राज्य के सहकारिता क्षेत्र में सामान्य कृशि एवं कृशि सम्बन्धी उद्योगों के अतिरिक्त चीनी मिल, डेरी विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र आते है।

वर्श 1998–99 के दौरान राजय में सहकारी चीनी मिलों कोउनके उत्पादन के विरूद्ध 204 करोडत्र रूपये की नकद उधार सीमा को मंजूरी दी गई है।

वर्श 1998–99 के दौरान फसली ऋण (खरीफ एवं रबी) तथा अन्य अल्पवधि फसली ऋण की अधिकतम सीमा 50000 रूपये से बढ़ाकर 60000 रूपये कर दी गई है।

दुग्ध समितियों द्वारा अप्रैल, 1997 के दौरान दुग्घ की अधिप्राप्ति 348.91 लाख लिटर की गई जोा वर्श 1998 में इसी अविध के दौरान बढ़ कर 435.18 लाख लीटर हो गई। उपयोगिता क्षमता 67.9 प्रति ात से बढ़ कर 80.3 प्रति ात होा गई है ंदुग्ध उत्पादकों की गत वर्शा की औसत संख्या 35648 से बढ़कर चालू वर्श में 48.965 हो गई हैं

माननीय सदस्यगण, राश्ट्रीय सहकारी कृशि एवं ग्रामीण विकास बैंक संघ द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक को हाल ही में वर्श 1997–98 के दौरान अपने प्रकृश्ट कार्यो के लिए विजयोपहार प्रदान किया गया है ंराश्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक संघ द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी ि ाखर बैंक लिमिटेड को हल ही में वर्श 1996–97 के दौरान अपने समूचे कार्यो के लिए देश का तीसरा सर्वोत्तम बैंक घोशित किया गया हैं

प ाुपालन

गाय की हरियाणा और साहीवाल तथा भुर्रा नस्ले राश्ट्रीय प ाुधन का गौरव हैं गाय ही हरियाणा ओर साहीवाल नस्लों की रक्षा और उनमें सुधार लाने के लिए मेरी सरकार ने राज्य भर में 22 गौ ाालाओं को सृदृढ किया है, जिन पर 1.10

करोडत्र रूपये खर्च हुये हैं अधिकतम दुग्ध उत्पादक भुर्रा भैसों के मालिकों को प्रोत्साहन देने तथा मुर्रा कटड़ों को खरीदने के लिए एक वि ोश स्कीम भाुरू की गयी हैं इस प्रयोजनार्थ चालू वित्त वर्श के दौरान एक करोड़ रूपये खर्च होने की सम्भावना हैं

विभाग को उच्च प्रौद्योगिकी युक्त बनाया जा रहा हैं और वर्तमान 1400 संस्थाओं में हिमीकृत वीर्य सुविधा को बढ़ाकर राज्य की सभी 2217 प J संस्थाओं मे ंउपलबध करवाया जा रहा है। इम्ब्रॉ अन्तरण प्रौद्योगिकी वर्श 1998–99 की एक महत्वपूर्ण उपलबिध हैं

मत्यय पालन

मत्स्य पालन राज्य में एक नये ओर उत्साहवर्धक क्षेत्र के रूप में उभर रहा हैं राज्य में मछली के विक्रय के काम में सुधार लाने की ओर भी वि ोश ध्यान दिया जा रहा हैं मत्य पालन की कृशि का अभिन्न अंग बनाने के अतिरिक्त प्रायोगिक आधार पर स्वच्छा जल झींगा मछली उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति की जा रही है।

उद्योग

औद्योगिक प्रगति के क्षेत्र में हरियाणा एक अग्रणी राज्य हैं भारत सरकार की आर्थिक उदारीकरण तथा लइसेन्स समाप्त करने की नीति केआरम्भ होने से अब तक हरियाणा में औद्योगिक यूनिट स्थापित करने के लिए 2177 औद्योगिक उद्यमकताओं के

ज्ञापन प्राप्त हुए हैं जिनसें 22715 करोडऋ रूपये का निवे ा होने की सम्भावना हैं इन में से 969 औद्योगिक उद्यमकर्त्ताओं के ज्ञापनों को वस्तुतः क्रियान्वित किया जा चुका है। वर्श 1997–98 में राज्य का निर्यात 2961 करोड़ रूपये का था, जोकि आगामी वर्श में 3000 करोड़ से भ बढ जायेगा।

माननीय सदस्यगण राज्य में औद्योगिक विकास की गति तेज करने हेतु मेरी सरकार ने औद्योगिक इन्फ्रॉस्ट्रक्चर विकास नीति में सुधार किया हैं अब उच्च तथा मध्यम क्षमता वाले क्षेत्रों में 5 करोड़ रूपये तथा इससे अधिक निवे ा ओर निम्न क्षमता वाले क्षेत्रों में 3 करोडत्र रूपये तथा इससे अधिक निवेश वाली औद्योगिक परियोजनाअे ंको तुरन्त प्लांट अलॉट करने का उपबन्ध किया गया हैं इप नीति के अर्न्गत प्लॉटों या हस्तांरण प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया गया हैं इस नीति क अन्तर्गत प्लॉटों की अलॉटमैंट या हस्तांतरण प्रक्रिया को ओर अधिक सरल बनाया गया हैं

हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निमग मानेसर में प्रतिश्ठित आधुनिक औद्योगिक टाउनि ाप के विकास के अतिरिक्त अन्य महत्वकाक्षी परियोजनओं के विकास में कार्यरत है। साहा, जिाल अम्बाला में 1000 एकड क्षेत्र मे ंऐ विकास केन्द्र दो चरणों में स्थाति किया जा रहा है। गन्नौर के निकट बारही में 500 एकड से अधिक हौजरी केन्द्र का विकास किया जा रहा है। चालू वित्त वर्श के दौरान जगाधरी के निकट मानकपुर में एक औद्योगिक

सम्पदा का विकास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आगामी वित्त वर्श के दौरान पलवल में एक नई औद्योगिक सम्पदा स्थापित किये जाने का प्रस्ताव हैं वर्श 1999–2000 के दौरान 2000 लघु औद्योगिक इकाइयां और 40 बडत्री तथा मध्यम इकाइयां स्थापित किये जाने का प्रस्ताव हैं

पर्यावरण

पर्यावरण की स्वच्छता बनाये रखने के लिए मेरी सरकार सर्वाधिक चिन्तित हैं

इस कार्य के लिए राज्य प्रदूशण नियन्नत्रण बोर्ड का `पुनर्गइन किया गया हैं बोर्ड के निर्देश पर 912 औद्योगिक इकाइयों ने मल भाोधन संयन्त्र लगाए है तथा 904 औद्योगिक इकाइयों द्वारा वायु प्रदू ाण नियन्त्रण संयन्त्र लगाए गये हैं

फरीदाबा के अतिरिक्त, पर्यावरण अपराधों से सम्बन्धित अदालती मामलों को तुरनत निपटाना सुनि चत करने के लिए हिसार में एक नामित पर्यावरण न्यायाल स्थापित किया गया हैं जिसका कैम्प न्यायालय करनाल में हैं

वन तथा सामजिक वानिकी

चालू वित्त वर्श के दौरान 51.10 करोड़ यपये के वित्तीय परिव्यय से 18000 हैक्टयेर भूमि में वनरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं वर्श 1998–99 से यूरोपीय संघ

सहायता प्रापत हरियाणा सामुदायिक वानिकी परियोजना को वर्श 1998–99 से 126 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई हैं इस परियोजना के अन्तर्गत 27380 हैक्टेयर पंचायत भूमि रेत की टीलों को रोकने के हेतु और फार्म भूमि पर वनरोपण का लक्ष्य प्राप्त करने का प्रस्ताव हैं

समाज कलयाण

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने वरिश्ठ नागरिकों, विधवाओं, विकलांगों तथा समाज के अभावग्रसत वर्गों जैसे अनाथा, निराश्रित बच्चो परित्यक्त सवं निराश्रित महिलाओं तथा उनके आश्रितों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई स्कीमें बनाई है। इस स्कीमों को कार्यान्वित करने हेतु वर्श 1999–2000 के लिए 115.56 करोड़ यपये का उपबन्ध किया गया हैं वर्श 1999–2000 के दौरान बाल कल्याण तथा विकलांग व्यक्तियो के कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्दिक संगठनों का सहायता अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता देने के लिए 2.07 करोड़ रूपये का उपलब्ध किया गया है।

एकीकृत बाल विकास सेवा स्कीम सभी 111 ग्रमीण तथा 5 भाहरी खण्डों में लागू की जा रही हैं मरी सरकार वर्श 1998 के दौरान 12.25 लाख बच्चों तथा दूध पिलाती माताओं को अनुपूरक पोशण देने के लिए लगभग 31.333 करेाड़ रूपये खर्च करेगी। ावर्श 1999–2000 में 60000 लड़कियों को अपनी बेटी अपना धन

स्कीम के अन्तर्गत लाभ दिया जायेगा। महिलाओं के लिए प्र ि ाक्षण कार्यक्रम कार्य ाला और अभिविन्याया पाठ्यक्रमों की व्यवस्था करने के उद्दे य से राई, जिला सोनीपत में महिला जागृति एवं प्रबन्ध अकादमी नामक एक राज्य प्र ि ाक्षण संस्थान कार्य कर रहा हैं वर्श 1999–2000 के दौरान 2500 लाभानुभागियों को इसके अन्तर्गत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं

16.88 करोड़ रूपये की कुल लागत से ग्रामीण महिला अधिकारित एवं विकास परियोजना जिला सोनीपत में भुरू की गई है जसे जींद और भिवानी जिलों में भी आरम्भ किया जाएगा।

मेरी सरकार से अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गो के भौक्षणिक उत्थान की ओर वि ोश ध्यान दिया हैं विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियाँ, ि ाक्षण भुल्क मे छूअ, परीक्षा भुल्क की वापसी, लेखन सामग्री खदीरने के लिए अनुदान, विज्ञान, गणित था अंग्रजी विशयों में वि ोश अनु ि ाक्षण, मैट्रिकोत्तर/स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों को प्रोत्साहन तथा पुस्तकें खरीदने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिये गये हैं वर्श 1999–2000 के लिए इन स्कीमों हेतू 12.68 करोड़ रूपये की रा ि ा का प्रस्ताव हैं नवम्बर, 1998 तक अनुसूचित जाति के 34658 परिवारेां को वित्तीय सहायता प्रदान की गई हैं

वर्श 1999–2000 के दौरान हरियाणा हरिजन कल्याण निगम का, अनुसूचित जातियों के 12600 व्यक्तियों को 37.88

करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव हैं इसके अतिरिक्त, हरियाणाा पिछडत्रे वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निमग, विभनप आय जुटानेवाली स्कीमों के लिए पिछडे/अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित परिवारों के 4000 व्यक्तियों को 11.50 करोडत्र रूपये की वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव हैं माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधा के अनुरूप पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को भी प्रतियागिता परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए वि ोश अनु ाक्षण देने का प्रस्ताव हैं

राजस्व

राज्य के अक्तूबर, 1998 के महीने में बे मौसमी और अत्यधिक वर्शा के प्रकोप का सामना करना पड़ा। इसमें फसलों को व्यापक हानि हुई। प्रभावित जिलों में जल निकासी का काम तुरन्त युद्ध स्पर तन किया गया। लगीाग दो मास की अल्पवधि में 2.93 लाख एकड़ भूमि से पानी निकाल दिया गया, जबकि भाुरू में 3.12 लाख एकड़ भूमि जल में डूबी हुई थी। वि ोश सहायता लेने के लिए भारत सरकार को एक ज्ञापन दिया गया, जिसने क्षति का जायजा लेने के लिए केन्द्रीय अधिकारियों का एक दल भेजा। आ ाा की जाती है कि भारत सरकार इस मामले में भीघ्र ही निर्णय लेगी।

मेवात के क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राश्ट्रीय कृशि विकास नीधि की वित्तीय सहायता से मेवात विकास बोर्ड द्वारा एक नवीन परियोजना कार्यान्वित की जा रही हैं 9वी पंचवर्शीय योजना के दौरान मेवात विकास बोर्ड के लिए 75. 61 करोड़ रूपये की रा ि ा का उपबन्ध किया गया हैं

9वी पंचवर्शीय योजना के दौरान ि ावालिक विकास बोर्ड के लिए 31.30 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं ि ावालिक विकास बोर्ड द्वारा निश्पादित की जाने वाली विभिनन विकास स्कीमों के लिए वित्त वर्श 1998–99 में 4.50 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं

लघु सचिवालय एवं न्यायिक परिसर

माननीय सदस्यगण, सरकारी कार्यालयों के विभिन्न स्थानों पर बिखरे होने के कारण नागरिकों को कठिनाइयों का समाना करना पड़ता है। इसलिए मेरी सरकार लघु सचिवालयों और न्यायिक परिसरों के निर्माण के कार्य तेजी से कह रही है। कैथल के लघु सचिवालय का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। तथा रिवाड़ी, रोहतक, करनाल और यमुनानगर के लघु सचिवालयों का निर्माण कार्य चल रहा हैं पंचकूला के लघु सचिवालय का प्र ाासकीय ब्लॉक और अम्बाला के फेज–2 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। और इनमें जिला कार्यालयों ने काम करना भी भाुरू कर दिया हैं इससे पूर्व राज्य सरकारों द्वारा नये जिले तो बना

दिए जाते थे परन्तु वहां पर लघु सचिवालयों तथा न्यायिक परिसरों जैसी आधारभूत सुविधाए जुटाने की ओर ध्यान नही दिया जाता था। लेकिन मेरी सरकार ने झज्जर और फतेहाबाद के नये जिलों में लघु सचिवालयों का निर्माण कार्य तुरन्त ही आरम्भ कर दिया हैं वर्श 1998–99 के दौरान लघु सचिवालयों के निर्माण हेतु 4.42 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं औरवर्श 1999–2000 के लिये इस कार्य हेतु 6.45 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया हैं एक नीवनी सरकारी भूमि स्कीम के तहत करनाल, रोहतक तथा फरीदाबाद में लघु सचिवालयों के निर्माण के लिए हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण की सहायता ली गई हें न्यायिक परिसरों के निम्रण हेतु चालू वर्श के दौरान 9.18 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं यमुनानगर, रिवाड़ी पंचकुला, कैथल, करनाल, लोहारू तथा सफीदों के न्यायिक परिसरेां का निर्माण कार्य चल रहा हैं तथा अम्बाला और रोहतक न्यायिक परिसरों के निम्रण का कार्य भीघ्र ही भुरू कर दिया जायेगा।

कानून एवं व्यवस्था

माननीय सदस्यगण, समूचे राज्य में भाांति और खु ाहाली तथा सामाजिक भाई–चारे का वातावरण बना रहा हैं प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान करने की मेर ीसरकार उच्चतम प्राथमकता देती है।मेरी सरकार राज्य में कानून एवं व्यवसाि बनाए रखने के लिए वचनबद्ध है। राज्य मे ंपुलिस व्यवस्था को सुचारू

बनाने के लिए उपाय किए गये हैं इसके फलस्वरूप पुलिस ने प्र ांसनीय कार्य किया हैं

योजना

वर्श 1999–2000 की वार्शिकयोजना के लिए 2300 करोड़ रूपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया हैं जो कि वर्श 1998–99 के 1800 करोड़ रूपये के सं ाोधित परिव्यय पर 27.7 प्रति ात की वृद्धि द ार्शाता हैं

परिवहन

1999–2000 की वार्शिक योजना में 40 करोड़ रूपये का परिव्य निर्धारित किया गया है ंवर्श 1999–2000 के दौरान 526 बसें बदली जाएंगी। निजीकरण स्कीम के अन्तर्गत पंजीकृत परिवहन सहकारी समितियों को, योजनक मागों पर बसे चलाने के लिए 950 स्टेट कैरिज परमिट जारी किये गये। ि ाक्षित युवाओं को स्व–रोजगार के अधिक से अधिक अवसर जुटाने के विचार से मेरी सरकार ने बेरोजगार युवओं की सहकारी समितियों को राज्य में 125 किलोमीअर तक के मार्गो के लिए परमिट देने का निर्णय लिया हैं परमिट देने मे विभिन्न श्रेणियों को उसी प्रकार आरक्षण दिया जाएगा जिस प्रकार सरकारी सेवा में में भर्ती के समय दिया जात ाहैं इसके अतिरिक्, मेरी सकरारे ने राज्य में चलने वाले मैकसी कैब चाहनों को समूचे राज्य में चलाने हेतु संवदिाा वाहन परमिट देकर विनियमित करने का निर्णय लिया हैं

ि ाक्षा तथा साक्षारता कार्यक्रम

मेरी सरकार का विद्यालय सुविधाओं को बढ़ाने के साथ साथ प्रारम्भिक ि ाक्षा को सर्वव्यापी बनाने तथा ि ाक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाने का मुख्य लक्ष्य रहा हैं

इस समय राज्य में 10134 प्राथमिक, 1718 मिडल, 2575 उच्च तथा 942 वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालय है, जिनमें 17.25 लाख लड़कियों सहित कुल 39.02 लाख बच्चे दाखिल है। माननीय सदस्यगण,यह गर्व की बात जहै कि सभी जिलों में लड़कियों के दाखिलों की संख्या मैं वृद्धि हुई हैं।

अनुसूचित जातियों, पिछडे वर्गो तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के बच्चों के उत्थान तथा प्रतिभा ाली विद्यार्थियों को लिए राज्य सरकार द्वारा कई प्रकार की प्रोत्हसान स्कीमें आरम्भ की गई है।

पूर्ण साक्षारता अभियान सभी जिलों मे चलाया गया हैं राश्ट्रीय साक्षारता आयोग द्वारा जिला सोनीपत, कुरूक्षेत्र तथा रिवाड़ी के कार्यक्रमों के परिचालन/बहाली का अनुमोदन कर दिया गया हैं साक्षरता के बाद के कार्यक्रमों को पंचकूला तथा चींज जिलों में भुारू कियागया है ंमध्याह्न भोजन स्कीम सभी 111 सामुायिक विकास खण्डों तथा भाहरी क्षेत्रों में चलायी जा रही है।

ि ाक्षण पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा की सीटें बढ़ाकर 3610 कर दी गई है ओर ओ0 टी0 पाठ्यक्रमों में कुल 850 सीटे हैं

मोरनी पहाड़ियों तथा मेवात क्षेत्र में स्थानीय अध्यापकों को अध्यापकों की अत्यन्त कमी के दृश्टिगत ि ावालिक विकास बोर्ड तथा मेवात विकास एजेन्सी की ि ाक्षण पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा केक लिए प्रत्येक को 50–50 के ग्रुपों में स्थानीय उम्मीदवारों को प्रायोजित करने` लिए अनुमति दी गई हैं

मेरी सरकार विद्यालय ि ाक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है। इस दि ाा में उठाए गये कदमों में भौक्षणिक पर्यवेक्षण को सुदृढ़ करना, अवितरत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली को लागू करना तथा विद्यालयों की गतिविधियों में बच्चों के माता पिता से सहयोग लेना भी भाामिल हैं विद्यालयों मैं मूल्यों पर आधारित ि ाक्षा कार्यक्रमों को सृदृढ करने के लिए भी उपाय किए गये हैं

हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा पंजाबी अकादमी और हरियाणा उर्दू अकादमी राज्य में साहित्य के क्षेत्र में प्रं ासनीय कार्य कर रही हैं

माननीय सदस्यगण, उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में मेरी सरकार ने ि ाक्षा सुविधाओं को समेकित करने ओर उनका विस्तार करने हेतु ठोस कदम उठाए हैं वर्श 1998–99 में एक सरकारी तथा गैर सरकारी महाविद्यालय के अनुरक्षण हेतु 67.64 करोड रूपये की व्यवस्था की गई हैं वर्श 1998–99 में वि वविद्यालयों को देने के लिए 43.47 करोड़ रूपये की व्यवस्था

की गई हैं वर्श 1998–99 में 30 गैर सरकारी सम्बद्ध महाविद्यालयों में 40 नये पाठ्यक्रम भाुरू करने की अनुमति दी गई हैं

नगरपालिका प्र ाासन

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार बेहतर तथा स्वस्थ नगरीर सुविधाए देने के लिए चनबद्ध हैं वर्श 1998–99 के दौरान इसके लिए 25 करोड़ऋ रूपये का परिव्ययहैं वर्श 1998–99 के दौरान भाहरी गन्दी बस्तियों के पर्यावरण सम्बनधी सुधार के लिए 4.95 करोड रूप्ये के परिव्यय का प्रावधान किया गया हैं और वर्श 1999–2000 के दौरान इस स्कीम के लिए 6 करोड़ऋ रूपये निर्धारित किये गये हैं वर्श 1998–99 के दौरान राज्य के हिस्से के रूप में 1.24 करोड़ रूपये का उपबन्ध किया गया हैं जिसे छोटे तथा मध्यम नगरों के एकीकृत विकास के अन्तर्गत वर्श 1999–2000 के दौरान एक करोड़ रूपये की रापि ा निर्धारित की गई हैं गन्दी बस्ती सुधार कार्यक्रम के लिए वर्श 1998–1999 के दौरान 4.96 करोड़ रूपये का प्रावधान है जोकि वर्श 1999–2000 के दौरान बढ़ा कर 5.14 करोड़ रूपये कर दिया गया है। वर्श 1999–2000 के दौरान भाहरी ठोस कूडा करकट के प्रबन्धन के लिए 1.22 करोड़ रूपये की रापि ा निर्धारित करने का प्रस्ताव है वर्श 1998–99 के दौरान कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड को 5.34 करोड़ रूपये की सहायता दी गई।

भाहरी क्षेत्र में गरीब महिलाओं के ग्रपों को आर्थिक गतिविधियां भ्रुरू करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक वि ोश योजना आरम्भ की गई हैं

जन–स्वास्थ्य

माननीय सदस्यसगण, मेरी सरकार राज्य के अधिक से अधिक गांवों के प्रतिदिन 40/55 लिटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पेयजल सप्लाई को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं लगभग उन 1050 गांवों में व्यक्तिगत घरेलू कनैक ान दिये जा रहे है, जहां प्रतिदिन 70 लिटर या अधिक प्रति व्यक्ति जल सप्लाई उपलब्ध हैं लगभग 30000 ऐसे जल सप्लाई कनैक ान हदये जा चुके है। नयी योजनागत स्कीम के अन्तर्गत मेर ीसरकार का पूरो राज्य में कुछ चुने हुए मध्यम आकार के गांवों में ग्रामीण सफाई स्कीम आरमी करने का प्रस्तावहैं यमुना कार्य योजना स्कीमें के अन्तर्गत फरीदाबाद एवं गुडगाुव मे दो मल भाोधन संयंत्र पहले ही चालू हो चुके है। तथा यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत तथा फरीदाबाद नगरों में बाकी 9 भाोधन संयंत्र जून, 1999 तक चालू हो जाने की सम्भावना हैं इसके अतिरिक्त, इन्दरी, रादौर, छछरौली, गोहाना और पलवल नगरारें में भी मार्च 2000 तक इस स्कीम को चालू कर दिया जायेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देखभाल

मेरी सरकार हरियाणा के लोगों को बुनियादी तथा वि ाश्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्राथमिकता देती हैं

हरियाणा दे ा का ऐसा पहला राज्य हैं जिसने हैपाटाइटिस बी टीकाकरण को प्रतिरक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित किया है। 1.50 करोड़ रूपये की लागत से हैपाटाइटिस बी टीकाकरण की 5 लाख खुराकें प्राप्त कर लीर गई है। मेरी सरकार, पोलियों रेाग के उप ामन के लिए पल्स पोलियों प्रतिरक्षण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू कर रही है।

मेरी सरकार उत्सुक है कि पण्डित भगवत दयाल भार्मा चिकित्सा विज्ञान स्नातकोत्तर संस्थान, रोहतक एक उच्च कोटी का पराम र्ी अस्पताल के अतिरिक्त भौक्षणिक एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृश्टता प्राप्त करें। वर्श 1999–2000 के दौरान 10 और नये आयुर्वेद औशधालय खोलने का प्रस्ताव हैं श्री कृश्ण राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र के निर्माण कार्य कके लिए 25 लाख रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव हैं

ग्रामीण विकास एवं पंचायतें

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों की आय में वृद्धि एवं सम्पति अर्जन के लिए विभिनन कार्यक्रम चला रही हैं एकीकृत गामीण विकास कार्यक्रम (आई0आर0डी0पी0) ग्रामीण युवाओं को स्व–रोजगार के

लिए प्र ि ाक्षण स्कीम (ट्राइसेम और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं तथा बच्चों के विकास (डबाकरा स्कीमें राज्य में काम कर रही है।

उश्ण भाु क क्षेत्र में मरूस्थल विकास कार्यक्रम को रिवाडत्री तथा महेन्द्रगढ़ जिलों के 10 खण्ड़ों में कायान्वित किया जा रहा हैं यह कार्यक्रम जिला भिवानी, फतेहबाद, हिसार, सिरसा तथा झज्जर के रेतीले भाुश्क क्षेत्रों वाले 35 खण्ड़ों में चलाया जा रहा हैं

जवाहर रोजगार योजना को राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है। जिससे केन्द्र तथा राजय सरकार की क्रम ाः 80 और 20 के अनुपात में वित्तीय भागीदारी हैं भररत सरकार ने 30.49 लाख श्रम दिवस जुटाने के लिए लगभग 32.40 करोउ़ रूपये अलॉअ किये हैं चालू वित्त वर्श में इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत 3258 आवास गृहों को निर्माण किया गया हैं और दिसम्बर, 1998 के अन्त तक 3566 आवास गृहों का निर्माण कार्य प्रगति पर था। कृशि मंदी मौसम के दौरान लाभप्रद रोजगार प्रदान करने हेतु राज्य में रोजगार आ वासन स्कीम लागू की जा रही हैं

ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्श 1998–99 के दौरान 50000 साफ सुथरे भाौचालय बनाने का लक्ष्य हैं गलियों को पक्क करने, विद्यालयों के कमरे, औशधालयों के निर्माण, ग्रामीण जल आपूर्ति, ग्रामीण योजनक सड़कों, कम लागत के भाौचालयों,

चौपालों आदि जैसे इन्फ्रॉस्ट्रक्चर बनाने हेतू वर्श 1998–99 में लगभग 56 करोड़ रूपये हरियाणा विकास निधि में से खर्च कये जायेगें। पंचायती राज संस्थाओं को वि ोश केन्द्रीय सहायता स्कीम के अन्तर्गत वर्श 1999–2000 के लिए 20.66 करोड़ रूपये की रा ि ा को दिये जाने का प्रस्ताव है।

भवन एव सड़के

मेरी सरकार ने वर्श 1995– और 1996 के दौरान बाढ़ों से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों में सुधार करने औरी उन्हें उन्नत करने की ओर वि ोश ध्यान दिया हैं ओर चालू वित्त वर्श में 143.48 करोड़ रूपये का प्रावधानथा।

हमें आ ाा है कि राज्य राजमार्ग उन्नत हेतु वि व बैंक परियेाजना, जिसके सम्बन्ध मे बात चीत की जा चुकी हैं को आगामी वित्त वर्श में मंजूरी मिल जायेगी। वर्श 1999–200 के लिए 400 करोड़ रूपये का उपबन्ध किया गया है, जिस दौरान 65 किलोमीअर लम्बी नई सड़कों के निम्रण तथा 2520 किलोमीटर लम्बी वर्तमान सड़कों के सुधार का प्रस्ताव हैं

बिल्ड, ऑप्रेट, ट्रांसफर (बी0ओ0टी0) प्रणाली के अनतर्गत फरीदाबाद में रेलवे ओरव ब्रिज को स्वीक त किया जा चुका हैं बी0 ओ0 टी0 के सिद्धान्त पर आधारित ओर परियोजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं, जिनसे राज्य में सड़क अवस्थापना नेटवर्क के सुधार को और अधिक बिल मिलेगा।

इनमें कुरूक्षेत्र में अतिरिक्त दो मार्गी रेलवे ओवर ब्रिज, गुडगांव–फरीदाबाद सड़क, यमुनानगर–छछरोली से बूरीदेवधर सड़क पर पलवल मे ंरेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण भाामिल हैं

अम्बाला पेहोवा हिसार राजगढ़ सड़क जो एक राज्य राजमार्ग था, को केन्द्र सरकार द्वारा राय सरकार के आग्रह पर राश्ट्रीय राजमार्ग सख्या 65 घोशित किया गया हैं हमारे राज्य में यह राश्ट्री राजमार्ग 242 किलोमीअर लम्बा हैं यह एक बहुत बडत्री उपलब्धि हं कि इसके अतिरिक्त 5 अन्य राजय राजमार्गो अर्थात पिंजौर–बद्दी (नालागढ–स्वाराघाट) रोहतक गोहाना पानीपत, रूड़की (राश्ट्रीय राजमार्ग 58 पर) सहरानपुर–यमुनानगर–साहा–पंचकूला, जलन्धर–मोगा–बरनाला–संगरूर–नरवाना–रोहतक–झज्जर–बाबल और अम्बाला (नहन–पौंटा साहिब–देहरारदूर–ऋशिके ा) हरिद्वारा को कन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में राश्ट्रीय राजमार्ग घोशित किया गया हैं इनकी लमबई हमारे राज्य में 448 किलोमीटर हैं

राश्ट्रीय राजमार्ग संख्या–10 पर बहादुरगढ़–रोहतक क्षेत्र तक की सड़क को चार–मार्गी बनाने के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार द्वारा सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा हैं इसी राश्ट्रीय राजमार्ग संख्या–1 पर पानीपत मे ंएक उन्नत राजमार्ग बनाने का प्रस्ताव हैं

कुण्डली से समालखा तक के राश्ट्रीय राजमार्ग संख्या–1 को प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में घोशित एकसप्रैस वेज परियोजना के अन्तर्गत उन्नत कर छः मार्गी बनाया जायेगा। प्रथम

चरण में हरियाणा में कुण्डली सीमा से 15 किलोमीअर का निर्माण किया जायेगा।

राज्य सरकार ने सिद्धान्त रूप से हरियाणा राज्य सड़क अवस्थपनाविकास निगत स्थागित करने का निर्णय लिया है। यह निमग, निजी एवं निगमित क्षेत्रों की भागीदाररी के माध्यम से अवस्थापना विकास परियोजनाओ को भीघ्र कार्यान्वयन सुनिक्ष्यित करेगा।

पर्यटन

हरियाणा पर्यटन जो कि राजमार्ग पर्यटन के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है, पर्यटकों को उत्कृश्टा सेवाएं प्रदान कर रहा हैं चालू वित्त वर्श के दौरान, पेहोवा मे ंयात्रिका, का निर्माण पूरा होने वाला हैं और हांसी में एक नये पर्यटक केन्द्र की निकट भविश्य मे ंसेवा आरम्भ करने की सम्भावना हैं

अपनी साँस्कृतिक धरोहर के उत्थान के लिए बल्लभगढ़ में राजा नाहर सिंह किला महल को पर्यटक स्थल के रूप मे ंनवनिर्मित किया गया हैं फरवरी 1999 मे सूरजकुण्ड ि ाल्प मेले के आयोजन की तैयारियों की जा रही हैं हरियाणा के पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन उन्नयन की संयुक्त उद्यम स्कीम के अन्तर्गत जिला महेन्दगढत्र के माधोगढ़ में हैरीटेज होटल, सोहना में है क्लब और उचान में अम्यूजमैंट पार्क सम्बनधी परियोजनाओं का प्रस्ताव है।

खेल–कूद

भारत सरकार की आंि ाक सहायता से लगभग 8.43 करोड़ रूपये की लागत से फरीदाबाद मे एक आधुनिपक खेल कूद केन्द्र विकसित किया जा रहा है। तेजली (यमुनानगर) में एक खेल कूद केन्द्र उभर रहा ह। नारनौल मे ंएक खेल कूछ स्टेडियम बन कर तेयार होने वाला हैं तथा सिरसा मे ंएक बहूउद्दे यीय उन्तरंग स्टेडियम भीघ्र ही मुकम्मल होने वाला हैं पलवल, झज्जर तथा बहादुरगढत्र मे ंस्टेडियम बनाने की योजना हैं

श्रम तथा रोजगार

माननीय सदस्यगण मेरी सरकार का यह वि वास है कि उद्योग श्रम के मैत्रीपूर्ण सम्बनध औद्योगिक विकास के लिए सहायक हैं राज्य में में औद्योगिक भाान्ति का वातावरण बन रहा ह। अकु ानल कामगारों के लिए न्यूनतम मजदूरी पहली जुलाई 1998 से 1729.54 रूपये प्रति मास कर दी गई हैं जोकि इस क्षेत्र की सबसे अधिक में से एक है।

मेरी सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा (ई0एस0आई0) का एक नया निदे ाालय श्रम विभाग के अधीन स्थापित किया हैं कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों तथा औ ाधालयों को स्वास्थ्य विभाग नियन्त्रण से पृथक करके श्रम विभाग के अधीन किया गया हैं इससे औद्योगिक कामगारों की चरि प्रतीक्षित मांग पूरी हो गई हैं और उपलकरणों तथा म ाीनरी के उन्नयन, दवाईयों की

आपूर्ति तथा चिकित्या कर्मचारियों की तैनाती सुनिि त करने से स्वास्थ्यय सुवयिधाओं का स्तर बढेगा।

पहल अप्रैल, 1998 से 30 नवम्बर, 1998 की अवधि के दौरान रोजगार कार्यालयों द्वारा 9739 आवेदकों को लाभकारी रोजगार मुहैया करवाये गये ह, जिनमें 269 महिलाए हैं

औद्योगिक प्रि ाक्षण एवं व्यावसायिक ि ाक्षा

सुदृढ औ़द्योगिक अर्थ व्यवस्था के लिए विभिन्न औद्य़ोगिक कारीगरियों में युवाओं का प्रि ाक्षण नितान्त आव यक हैं

मेरी सरकार द्वारा स्वरोजगार तथा उद्योगों में रोजगार हेतु महिलाहों के प्रि ाक्षण को उच्च प्राथमिकता दी गई हैं इस समय 195 औद्योगिक प्रि ाक्षण सवं व्यावसयिक संस्थानों मे ंसे 35 संसथान केवल महिलाओं के लिए हैं तथा भोश संस्थाओं में भी सह ि ाक्षा की सुविधा उपलब्ध है, जहां महिला प्रि ाक्षणार्थियों से कोई ि ाक्षण भ्ाुल्क नही लिया जाता।

वर्श 1998–99 के दौरान 10 नये व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान खोले गये तथा इस प्रकार के 5 अन्य संस्थान खोलने का प्रस्ताव हैं चालू वर्श के दौरान

तकनीकी ि ाक्षा

वर्श 1999–2000 में 70 करोड़ रूपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई, जिसमें वि व बैक स्कीमें भाामिल है। तीन राजकीय बहुतकनीकी संस्थानों ओर चार सहायता प्राप्त बहुतकनीकी संस्थानों को निर्माण कार्य चल रहा हैं, जो मई, 1999 तक पूरा हो जाएगा। वर्श 1997–2002 की 9वी योजना में जिला रिवाड़ी में धामलावास, कुरूक्षेत्र मे ंउमरी, जींद में राजपुरा, पंचकूला में नानकपुर, भिवानी में लोहारू, यमुनानगर में सुघ, कैथल में पबनावा, सिरसा में डबवाली और पानीपत में डाहर में राजकीय बहुतकनीकी संस्थान खोलने का प्रस्ताव है।

भारत सरकार की सामुदायिक विकास स्कीम के अर्न्तगत ग्रामीण युवाओं को तकनीकी ि ाक्षा देने के लिए हरियाणा राज्य के 14 बहुतकनीकी संस्थाओं को चुनाा गया हैं

हमारे युवाओं की भावी जीवनयापन प्रणाली में सुधार लाने के लिए गैर सरकारी महाविद्यालयों को नये इंजीनियरी एवं प्रबन्धन पाठयक्रम आरमी करने की अनुमति दी गई हैं

न्याया प्र ाासन

चालू वर्श के दौरान 687 व्यक्तियों को निः ाुल्क कानूनी सहायता दी गई और 160 लोक अदालतें लगाई गई, जिनमें 20900 मामलों को फैसला किया गया। मोटर दुर्घटना के दावों के 1386 मामलों का निपटान कियागया, जिनमें 8ण्32 करोड़ रूपये से अधिक की रा ि ा मुआवजें के रूप में दी गई हैं आगामी

वर्श के दौरान 200 लोक अदालते, 10 सहकानूनी साक्षरता ि ाविर और 10 कानूनी सहायता कार्य ाालाएं आयोजित करने का प्रस्ताव है।

कर्मचारियों की भलाई

मेरी सरकार ने राज्य के विकास में कर्मचारियों की भूमिका तथा नागरिकों के प्रति उनकी सेवा को मान्यता प्रदान करते हुए भारत सरकार के अनुरूप पहली जनवरी, 1996 से कर्मचारियां को सं ाोधित वेतनमानों को लाभ दिया हैं चालू वर्श के दौरान मकान किराया भत्ते, नगर प्रतिपूर्ति भत्ते, चिकित्सा भत्ते औरयात्रा भत्ते की दरों में सं ाोधन किया गया हैं मरी सरकार द्वारा सेवानिवृत्ति के समय दी जाने वाली अवका ा नकदी करण की अधिकतम सीमा 240 दिन बढ़ा कर 300 दिन कर दी गई हैं

सरकारी कर्मचारियों और सहाययता प्राप्त भौक्षणिक संस्थाओं के कर्मचारियों को सं ाोधित वेतनमान, पे ान भत्ता, बोनस और मंहगाई भत्ता किस्के के रूप में लगभग 1792 करोड़ रूपये की वित्तीय लाभ दिया गया हैं मेरी सरकार ने चालू वर्श के दौरान राज्य सरकार के उपक्रमों तथा सहकारी संस्थानों के कर्मचारियों को भी सं ाोधित वेतनमानों का लाभ दिया हैं जिस पर लगीाग 143 करोड़ रूपये खर्च होगे।

माननीय सदस्यगण, यह मेरी सरकार के नीतिगत कार्यक्रम की मुख्य रूपरेखा है। इन मुद्दो पर आपका चिन्तन तथा

रचनात्मक परिचर्चा अव य ही राज्य के साामजिक आर्थिक विकास तथा हरियाणा की जनता की समस्याए हल करने मे ंसहायक होगी। हम इस आ ाा के साथ 21 वी भाताब्दी मे ंप्रवे ा की प्रतीक्षा करते है कि मेरी सरकार का , अपनी जनता का कलयाण सुनि ित करने का उद्दे य पूर्ण होगा।

जय हिन्द!

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will make the obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के पिछले अधिवे ान के बाद और इस अधिवे ान के भाुरू होने से पहले कई माननीय साथी इस संसार से चले गए हैं, उनके बारे में भाोक प्रस्ताव इस प्रकार से है:–

चौधरी रिजक राम, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री चौधरी रिजक राम के 8 अक्तूबर, 19987 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 7 जून, 1913 को हुआ। वह व्यवसाय से वकील थें वह 1952 तथा 1963 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1967, 1972 तथा 1977 में हरियाणा विधान

सभा के सदस्य चुने गए। वह संयुक्त पंजाब तथा हरियाणा में कैबिनेट मंत्री रहे। वह 1968 में राज्य सभा तक्ा 1983 में लोक सभा के सदस्य चुने गये। वह हरियाणा राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भी रहे। वह अनेक भौक्षणिक संस्थाओं से जुडे रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री भोर सिंह, भूतपूर्व मंत्री हरियाणा

यह सदन के भूतपूर्व संसद सदस्य श्री सु ाील चन्द्र मोहन्ता के 7 दिसम्बर, 1998 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

उनका जन्म 26 अप्रैल, 1929 को हुआ। वह व्यवसाय से वकील थे। उनहोने सिरसा में वकालत भाुरू की। वह 1977–79 के दौरान हरियाणा के महाधिवक्ता रहे। वह 1980 में राज्य सभा के सदस्य चुने गये। वह दोबारा1988–91 के दौरान हरियाणा के महाधिवक्ता रहे।

उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात अधिवक्ता तथा सासंद की सेवाअें से वंचित होा गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दीना नाथ अग्रवाल, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दीना नाथ अग्रवाल के 25 अगस्त, 1998 को हुए दु:ख निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

उनका जन्म अप्रैल, 1916 में हुआ। उन्होने एफ0 ए0 डिग्री प्राप्त की। वह व्यवसाय से उद्योगपति थे। वह अनेक औद्योगिक संस्थाओं के प्रधान तथा महासचिव रहे। उन्होने लुध्याना में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन स दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित को गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करनता है।

श्री तिलक राज चड्डा, संयुक्त विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपर्वू सदस्य श्री तिलक चड्डा के 12 दिसम्बर, 1998 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

उनका जन्म 14 दिसम्बर, 1914 को हुआ। उन्होने अर्थ ाास में एम0 ए0 की डिग्री प्राप्त की। उन्होने अपना

व्यवसायिक जीवन डी0 ए0 वी0 कालेज, लाहौर से एक प्राध्यापक के रूप में भाुरू किया। उनहोने स्वतन्त्रता आंदोलन में भाग लिया तथा कई बार जेल गये। वह 1945 से 1948 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1956 में मुकुन्द लाल नै ानल कालज, यमुनानगर में प्राध्यापक नियुक्त हुए तथा 1958 से 1979 तक इसके प्रिंसीपल रहे। वह जीवन के अन्तिम समय तक ि ाक्षा के प्रगति के लिए समर्पित रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी, प्रख्यात ि ाक्षाविद् तथा योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं हय सदन विदंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

कर्नल होि ायार सिंह, एक वीर सैनिक

यह सदन वीर सैनिक, कर्नल होि ायार सिंह के 6 दिसम्बर, 1998 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाौक प्रकट करता है।

हरियाणा के इस बहादुर सपूत का जन्म 5 मई, 1936 को हुआ। वह भारतीस सेना में सैनिक के रूप में भर्ती हुए तथा 1963 में कमी ान प्राप्त किया। उन्होने 1971 के भारत पाक युद्ध में अह्म भूमिका निभाई 15 दिसम्बर, 1971 को कर्नल होि ायार सिंह बसन्तर नदी के पार भाकरगढ़ ग्रेनेडियर की लैफ्ट फॉनवर्ड कम्पनी का नेतृत्व कर रहे थें उन्हें भात्रु के जरपाल क्षेत्र पर कब्जा

करने के आदे ा दिये गये। आमन–सामने के जबरदस्त युद्ध में भारी बमबारी तथा दु मनों की म ाीनगनों से होने वाली गोलाबारी की परवाह ने करते हुए न्होने अपनी सैनिक टुकड़ी के साथ धावा बोल कर दु मन के इलाके पर कब्जा कर लिया। अगले दिन दु मन ने तीन बार जवाबी हमलेकिय। अननी सुरक्षा की परवाह ने कहते हुए उन्होने मार्चों में तैनात जवानों के पास जाकर डटकर मुकाबला करने के लिए उनके हौसले बुलन्द किये। इस प्रकार उन्होने दु मन के पैर उखाड़ दिए। दु मन अपने कमान अधिकारी सहित 85 मृतकों को छोड़कर वापिस भाग गये। गंभीर रूपय से घायल होहते हुए भी उन्होने युद्ध विराम होते कि अपना मोर्चा नही छोड़ा। भारतीस सेना की गौरवमय परम्परा को कायम रखते हुए उन्होने इस युद्ध में वीरता, अदम्य साहस तथा उत्कृश्ट युद्ध को ाल नेतृत्व प्रदान किया। उनकी इस बहादुरी के लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक वीर सैनिक तथा हरियाणा एक महान सपूत की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बलवान सिंह, एक वीर सैनिक

यह सदन वीर सैनिक श्री बलवान सिंह के 12 अक्तूबर, 1998 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 दिसम्बर, 1964 को हुआ। झज्जर में पढ़ाई करने के बाद वह 1984 में भारतीय सेना में ाामिल हुए। उन्हें सेना में 14 वशर्ज़ के सेवाकाल के दौरान दो बार सैन्य सेवा मैडल से सम्मानित किया गया। वह दे ा की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता प्रदि र्ात करत हुए जिला डोडा में आप्रे ान रक्षक–3 के तहत उग्रवादियों से लड़ते हुए भाहीद हो गए।

उनके निधन से दे ा एक वीर सैनिक तथा हरियाणा एक महान सपूत की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री चन्दू लाल, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन स्वतन्त्रता सेनानी श्री चन्दू लाल के 3 जनवरी, 1999 को हुए दुखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 17 अगस्त, 1909 को हुआ। वह व्यवसाय से इंजीनियम थे। राश्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर वह हिन्दुस्तान सो ालिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के सदस्य बने। वह 1929 में रोहतक आ गये तथा स्वतन्त्रता आंदोलन में सक्रिया रूप से भाग लेना भाुरू कर दिया। वह कई बार जेल गये। वह जीवन के अंतिम समय तथा सामाजिक कार्यो में सक्रिया रूप से व्यस्त रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के वन राज्य मंत्री, श्री जगदी ा यादव की माता श्रीमती चम्पा देवी, हरियाणा से संसद सदस्य श्री राम चन्द्र बैन्दा की माता श्रीमती चावली देवी तथा हरियाणा से संसद सदस्य राव इन्द्रजीत सिंह की माता श्रीमती चन्द्र प्रभा के हुए दु:खद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

रेल, भ–स्खलन एवं भगदड़ दुर्घटना

यह सदन 26 नवम्नर, 1998 को पंजाब में खन्ना के नजदीक रेल दुर्घटना, 18 अगस्त, 1998 को जिला पिथौरागढ़ उत्तर प्रदे ा में भू–स्खन और 14 जनवरी, 1999 को करेल के सवरीमाल में भू–स्खलन एवं भगदड़ में हुए लोों को दु:खद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करताहै।

यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोड़ी): अध्यक्ष होदय, पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बची में बहुत अच्छे राजनीतिज्ञ,

स्वतंत्रता सेनानी, अच्छे ि ाक्षाविद और दे ाभक्त इस संसार से चले गये है। चौधरी रिजक राम जी जो हरियाणा प्रदे ा के राजीनतिज्ञों में उच्चकोटि के राजनीतिज्ञ थे। वे इस सदन को सदस्य रहे, राज्य सभा और लोक सभा के भी सदस्य रहे और वि ोरू रूप से हरियाणा प्रदे ा के सम्मान को जब चोट पहुंची तो उनहोने भारी आर्थिक नुकसान उठाकर भी इस प्रदे ा की इज्जत बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वे अच्दे वकील थे, अनुभवी राजनीतिज्ञ थे और कई ि ाक्षण संस्थाओं सें भी जुडें हुए थे। इस प्रकार की विभूतियां आज हामर बची में नही हैं यह सदन उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इस सदन के एक सदस्य श्री भोर सिंह जो मंत्री भी रहे और एक अच्दे वकील थे वे आज हमारे बीच में नही है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इसी प्रकार श्री सु ाील चंद मोहन्ता हरियाणा प्रदे ा के ऐडवोकेट जनरल भी रहे। राज्यसभा में भी हरियाणा प्रदे ा की प्रतिनिधतत्व करते रहे। एक योग्य कानूनदान थे, एक अच्दे वकील भी थे और भारत सरकार की तरफ से यू0 एन0 ओ0 में इस दे ा का प्रतिनिधत्व करने का उन्हें अवसर मिला था। व्यक्तिगत तौर पर मेरे उनसे अच्दें संबंध थे। वे बहुत योग्य सलाहकार भी थे वे योग्य व्यक्ति थें। वे आज इस संसार में नही हैं यह सदन दिवंगत

के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इस प्रकार श्री दीना नाथ अग्रवाल संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य भी रहे हैं उनहोने एफ0 ए0 की डिग्री प्रापत की थी। वे बहुत बड़े व्यावसायी व उद्योगपति भी थे। वे आज हमारे बीच मे नही हैं उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री तिलक राज चड्ढा एक बहुत जुझारू किस्म के फ्रीडम फाइअर थे। 1942 के आंदोनल में श्री जयप्रका ा के अच्छे साथियों में से एक थे। सर्वप्रथम वे 1942 की लड़ाई में अरूणा आसिफ अली के साथ मेरे अपने गांव चौटाला गये थे मुझे भी सबसे पहले 1942 में उनके द र्ान का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वे मु तरका पंजाब में विधान सभा के सदस्य भी रहे। दे ा जब आजाद हुआ तो उनहोने एक निर्णय ले लिया कि वे किसी भी सदन की सदस्या ग्रहण नही करेगें उसके बाद एक ऐसा अवसर आया था जब हम उन्हें हरियाणा प्रदे ा की प्रतिनिध बनाने के लिए राज्यसभा का सदस्या बनानाचाहते थे लेकिन उसे भी उनहोने स्वीकार नही किया था। उनके निधन से दे ा एक महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात ि ाक्षाविद की सेवओं से वंचित हो गया हैं यमुनानगर के ि ाक्षा संस्थान से जुडने के बाद तो ि ाक्षक तो ि ाक्षक ही नही परन्तु हर विद्यार्थी के मन में उनके प्रति बहुत

आस्था थी। इस प्रकार की महान विभूतियां आज हमारे बीच में नही हैं यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हैं

कर्नल होि ायार सिंह जो हरियाणा प्रदे ा की भूति के एक गांव के रहने वाले थे ऐसे महान योद्धा इस प्रदे ा वे दे ा की मिट्टी मे ंपैदा हुए। वे सोनीपत जिले के सिसाना गांव के रहने वाले थे उनकी कुर्बानी बेमिसाल है। मुण्े उनकी 13वी पर जाने का अवसर मिला। हरियाणा प्रदे ा केसमूचे लोगों की एक इच्छा है कि इस प्रकार की महान हस्तियों की यादगार में जिनहोने प्रदे ा के मान–सम्मान को बढ़ाया है उनकी याद मे जरूर कोई स्मारक बनाया जाये। मै आपके माध्यम से सरकार वे सदन के सदस्यों को अनुराध करता हूं कि बलवान सिंह भी एक वीर सैनिक थे उन्होंन भी अपनी वीरता का प्रद ान डोडा में आप्रे ान रक्षक 3 के तहत उग्रवादियों से लड़ते हुए किया और वे भाहीद हो गये। इस वीर और साहसिह सैनिक से भी यह प्रदे ा वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

इसी प्रकार श्री चन्दू लाल जी एक महान स्वतन्ता सेनानी थे और संयुक्त पंजाब में हमारे प्रदे ा से उनका बहुत लगाव था आज वे हमारे बीच में नही हैं उनके निधर से दे ा एक महान स्वतन्त्रताा सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह

सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के एक साथी श्री जगदी ा यादस आज माता के स्नेह से वंचित हो गये। आज उनकी माता इस संसार में नही हैं मै उनके प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। इसी तरह से हमारे संसद सदस्य श्री राम चन्द्रा बैन्दा की माता श्रीमती चावली देवी जोकि इस संसार को छोड़कर चली गई है, उनके निधर पर भी मै अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। हमारे एक और संसद सदस्य राव इन्द्रजीत सिंह की माता श्रीमती चन्द्रा प्रभा के दुखःद निधर नरभी मै भाोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी दौरान में श्री कि ान सिंह सांगवान, संसद सदस्य के पिता श्री सूरजमल का भी निधन हो गया है लेकिन उनका नाम इन भाोक प्रस्तावों में भाामिल नही है मै अनुरोध करूंगा कि उनका नाम भी इस सूची में भाामिल कर लिया जाए।

श्री बंसी लालः ठीक है, उनका नाम भी भाोक प्रस्तावों की सूची में भाामिल कर लिया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः इसी प्रकार से श्री बाबू राम जोकि गांव धनाना के रहने वाले थे और वे एि ायाड खेलों के गोल्डमैडेलिस्ट थे, वह भी आज इस संसार में नही है। इस प्रकार

के सम्मानित सदस्यों के नाम भी जो इस संसार से चले गये है, मै आपसे निवेदन करता हूं कि इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल कर लिए जोय। अध्यक्ष महोदय, कई और भी ऐसी दुर्घटनाएं इस दौरान घटी है, वि ोश रूप से रेल दुर्घटना, 18 अगस्त, 1998 को जिला पिथौरागढ़ उत्तर प्रदे ा में भू–स्खलन और 14 जनवरी, 1999 को करल के सबरीमाला में भू–स्खलन एवं भगदड़ में हुए लोगों के दुखद निधन पर भी मै गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र के मेजर नितिन बाली, जिनकी उम्र केवल 27 वर्श थी तथा जो अपने पिता के इकलौते बेटै, सियाचिन में लडाई लड़ते लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए है इसी तरह से लै0 अतुल कटारिया है। मै आपसे अनुरोध करूंगा कि उनके नाम भी भाोक–प्रस्ताव में सूची में जोड़ दिए जाएं।

श्री बंसी लालः ठीक हैं

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उड़ीसा में आस्ट्रैलिया के इसाई मि ानरी व उनके दो बेटों की निर्मम हत्या हुई हैं मेरा आपसे अनुरोध है कि उनका नाम भी भाोक–प्रस्ताव सूची में जोड़ लिया जाए। यह सदन उन सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति भी संवेदना व्यक्त करता हैं

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, लोकतांत्रिक परम्परा के अनुसार सदन के नात ने जो भाोक–प्रस्ता सदन के सम्मुख रखा है। उसमें भाामिल होने के

लिए मै अपने दल की तरफ से बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। इस भाोक प्रस्तावें की सूची को देखने से मालूम होता है कि पिछले सत्र के उठ जाने के बाद और इस सत्र के भारू होने के समय के बीच में चले गये हैं। चाहे राजया हो, रंक हो या कोई भी क्यों नही हो। यह बड़ी दुखदायी कहानी है तथा इसके लिए हम सब को संतोश करना पड़ता है। कि जीवन का कुछ पता नही है, किसी भी समय इसका अंत हो सकता हैं इसलिए हमें जो भी समय मिले उस में इन्सानियत के धर्म को निभाने का प्रति क्षण ध्यान रखना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी रिजक राम जी जिला रोहतक के प्रसिद्ध वकील, सांसद एवं बहुत ही सुयोग्य राजनेता थे। इतना ही नही बल्कि अपने राजनैति जीवन काल में इनको ई वर पर पूर्ण वि वास था वे अपनी करनी औ कथीन मे ंसमानता रख्पाते थे मै उनके भाोक सतप्त परिवार को उनके निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हुं कि वे उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करें।

अध्यक्ष महोदय, श्री भाशेर सिंह, भूतपर्वू मंत्री, हरियाणा, बहुत थोड़ी उम्र में ही हमारे बीच में से चले गये। वे अपने परिवार के लिए एक ऐसी किरण थे जिनके ऊपर उनके परिवार के सदस्य चारों ओर से निर्भर थे तथा महसूस करते थे कि वे ही उनको आग्र ले जाएंगे। वे बिल्कुल स्पश्टवादी और निडर थे। उनकी असामयिक मृत्यु पर मै अपने दल की तरफ से हार्दिक संवेदना

व्यक्त करती हूं तथा भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वे उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करतें।

अध्यक्ष महोदय, श्री सु ाील कुमार मोहन्ता, भूतपूर्व संसद, जो दो बार महाधिवक्ता भी रहे और विपक्ष के नेता ने उनके बारीमें चर्चा करते हुए भी बताया कि उन्होने यू0 एन0 ओ0 में भी भारत का प्रतिनिधतव किया, ऐसे व्यक्ति का हमारे बची में से चले जाना एक बहुत ही दु:खद घटना है। जिसकी भरपाई भाायद ही कभी हो पाएगी। उनके दुखद निधन पर यह सदन गहरी संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, श्री दीना नाथ अग्रवाल, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य जो एक बड़े उद्योगपति थे, उनहोने लुधियाना में कपड़ा उद्योग चलाने के अपना सपना साकार करने के लिए बहुत मेहनत की। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, श्री तिलक राज चड्डा, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य जो मौलित तौर पर एक ि ाक्षाविद् रहें है, हमार `बीचम से चले गये है यमुनानगर मुकुन्द लाल नै ालन कॉलेज में उन्होने जो काम किया है, उसकी वजह से न केवल ि ाक्षाविद उनका आदम करते है बल्कि वहां के विद्यार्थी और वहां की जनता भी उनके प्रति अपना आदर भाव रखती हैं उन्होने स्वतन्त्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा कई

बार जेल गए। उनहोने ि ाक्षा के क्षेत्र में रहते हुए नौजवानों को सही राह दिखाने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया तथा उनका आद र्ा जीवन हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं उनके निधन से यह दे ा एक स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात ि ाक्षाविद तथा योग्य विधायक को सेवाओं से वंचित हो गया है यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कर्नल होि ायार सिंह ने दे ा की सेनाओं में रहकर अपने अदम्य साहस का परिचय देकर हमारा और अपने दे ा का नाम रो ान किया। भाई बलवान सिंह जभी एक कर्मठ सेनानी थे, वे डोडा में उग्रवादियेां की गोली का ि ाकार हो गये। मै इस भारत माता के उस वीर सपूत को भी श्रद्धांजली देती हूं जरूर ऐसे व्यक्तियों की यादगार में वि ोशतौर से कर्नल होि ायार सिंह जैसे वीरों की यादगार में हमें कुछ बनाना चाहिए ताकि सदा हमें उनकी याद आती रहे। मै सदन के नेता से अनुरोध करूंगी कि वे ऐसे वीरों की याद में कुछ बनवाये ताकि औरों के लिए वे प्रेरणा के स्त्रौत बनें।

मै श्री चंदू लाल, स्वतन्त्रता सेनानी को भी श्रद्धांजली देती हूं, श्री चंदू लाल जी अपने कार्य के प्रति पूर्णतः समर्पित रहते थे वास्ता मे ंवे पूर्णतः राश्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे। इंजीनियर होते हुए भी उन्होने राश्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और वे हिन्दुस्तान सो ालिस्ट रिपब्लिक आर्मी के सदस्य भी रहे। यह

सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै श्री जगदी ा यादव की माता चम्पा देवी, श्री राम चन्द्र बैन्दा की माता श्रीमती चावली देवी तथा संसद सदस्य राव इन्द्रजीत सिंह की माता श्रीमती चन्द्र प्रीाा के हुए दुःखद निधन पर भाोक प्रकट करती हूं। साथ ही साथ श्री कि ान सिंह सांगवान के पिता श्री सूरजमल के निधन पर भी भाोक प्रकट करती हूं और इसके साथ साथ पंजाब में खन्ना के नजदीक रेल दुर्घटना, जिला पिथौरागढ़ उत्तर प्ररक ा में भी भू–स्खलन और सबरी माताल में भू–स्खलन एवं भगदड़ में हुए लोगों के दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं। मै उड़ीसा में आस्ट्रेलिया के मि ानरी और उसके दो बच्चों की जो निर्मम हत्या की गई है उसके प्रति भी गहरा भाोक व्यक्त करती हूं। और सदन के नेता से आग्रह करती हूं कि इन हत्याओं को इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल किया जाए। इन्ही भावनाओं के साथ मै इस प्रस्ताव में अपने दल की तरफ से सभी भाोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती हूं और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हूं कि उनकी आत्मा की भाांति दें।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन में रखा है मै उसमें भाामिल होने के लिए खड़ा हुआ हूं। चौधरी रिजक राम जी हरियाणा की राजनीति के वरिश्ट नेता थे और चौधरी औम

प्रका ा चौटाला जी ने ठीक कहा कि वे हमे ाा हरियाणा के हितों के बारे में सोचते थे। हरियाणा के हितों की जब बात आत तो डनहौन राज्य सभा से त्याग पत्र दे दिया था। इस महान सदन मे ंवे कई बाद सदस्य रहे, सिंचाई मंत्री रहे। यदि उनको रोहतक ओर सोनीपत जिले की राजनीति का भीश्मपिता–मह कहा जाऐ तो गलत नही होगा। वे बड़े ही मृदुभाशाी और बड़े ही व्यावहारिक व्यक्ति थे। वे गांवों और खेती से जुडे हुए राजनेता थे। उनके निधन से हरियाणा के पुराने राजनेताओं को अकेलापन महसूस होगा। मै उनकों अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से श्रद्धाजलि अर्पित करता हूं।

श्री भोर सिंह जी एक बार मुलाना से विधायक रहे और एक बार सढौरा से रहे, इस सदन में उनके साथ बैठनो का सौभाग्य मुझे भी मिला लेकिन छोटी सी उमर में उनका निधन हो गया इसका मुझे बड़ा दुख है।

श्री सु ाील चन्द मोहन्ता राज्य सभा के सवदस्य रहे, उन्होने यू0 एन0 ओ0 में भारत का प्रतिनिधत्व किया और वे पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट के काबिल वकील थे। एमरजैंसी के समय वे हमारे जेलों में रहे। उनके निधन से हमें बड़ा भारी आघात पहुंचा है।

श्री दीना नाथ अग्रवाल और श्री तिलक राज चड्डा स्वतंत्रता सेनानी थे। उनके निधन से हहमें आघात पहुंचा है। उस

समय के हर स्वंतत्रता सेनानी पर हमें गसर्व है। स्पीकर साहब, उस समय राजनीति में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए योगदान की एक होड़ लगी थी। उस समय हर एक ने राजनीति में थोड़ा बहुत योगदान दिया चाहे वे किसी भी दल में रहा, उस समय श्री तिलक राज चड्डा ने उस पीढी को रीप्रैजेंअ किया जिस पीढ़ी ने दे ा की आजादी के लिए स्वंतत्रता संग्राम में बढ़–चढ कर हिस्सा लिया। चौधरी नेकी राम स्वतंत्रता सेनानी और श्री तिलक राज चड्डा ने उस समय अपने अलग–अलग समय में लोक सभा की टिकट और राज्य सभा की सदस्यता के बारें में यह कहा था कि अगर हमने लोग सभा की टिकट और राज्य सभा की सदस्यता स्वीकार की तो जो हमेनं स्वतंत्रता के समय लडाई लड़ी थी वह हमारी आत्मा की संतुश्टी के लिए हमारे पास पूंजी है, वह हम नही खोना चाहते उनहोने इस बात को स्वीकार नही किया। स्वीकार साहब, भारत की रखवाली करने वाली सेना पर हमे ंफख्र हैं चाहे कुरूक्षेत्र हो, चाहे पानीपत हो और चाहे दिल्ली के चारों तरफ से यहां के नौजवानों ने लगातार दे ा की एकता अखण्डता के लिए बलिदान दिए हैं उनमे ंसे कर्नल होि ायार सिंह और बलवान सिंह भी एक कड़ी थे। इसी तरह से इनमें एम नाम लैफ्टीनैंट अतुल कटारिया का भी भाामिल कर लिया जाए। वह बहादुर सैनकि गुडगांव का रहने वाला था। इस बहादुर सैनिक ने श्रीनगर मे ंआंतकवादियों के खिलाफ लड़ते हुए दु मनों से दो चार होहते हुए दे ा की एकता और अखण्डता के लिए अपना बलिदान दे दिया। मुझें और कर्ण सिंह दलाल तथा बीरेन्द्र सिंह जी और दुसरे

कई साथियों को उनकी भाोक सभा में जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उस भाोक सभा में उनकी मम्पनी का एक आदमी आया हुआ था। उस आदमी ने उस समय यह बताया कि इस लड़के को राम के 12 बजे वहां जाने से मना किया था लेकिन इस बहादुर ने उस समय यह कहा कि दे ा के खिलाफ साजि ा हो रही है और 100 आतंकवादी जिनके खिलाफ लड़ने के लिए जाने से लोगे डरते थे उसने अपने एक अर्दली को अपने साथ ले कर वहां जाने का फैसला किया। अर्दली की जा किसी तरह बची रहे उसने उसकों कहा कि मेरी आवाज तक तूं यहां से हिलेगा नही उसको सुरक्षित जगह एक झाड़ी में बैठा कर करके खुद अकेला उन आतंकवादियों के खिलाफ कूदा और उसमे उन मेंसे 10 आतंकवादियों की जान ले कर अपरे प्राण दिए। ऐसे बहादुरों पर हमें गर्व हैं इसी तरह से चन्दु लाल स्वतंन्त्रता सेनानी थे उनके निधन से भी हमें बड़ा भारी आघात पहुंचा है। इसी तरह से चौटाला साहब ने ककि कि नितिन बाली ने श्रीनगर में आतंकवादियों केसाथ लड़ते हुए अपने प्राण दिए है उनका नाम भी इस भाोक प्रस्ताव में भाामिल कर लेते है। स्पीकर साहब, री नगर से अमरनाथ जाने के लिए कोई तीर्थ यात्री जा नही सकता था लेकिन इन्ही बलिदानों के कारण इस बार लगभग डेढ़ लाख तीर्थ यात्री अमरनाथ गए थे। यह भी हमारे बहादुर सैनिकों को कुर्बानी का कमाल हैं

इसी तरह से स्पीकर साहब, हरियाणा के वन राज्य मंत्री श्री जगदी ा यादव की माता श्रीमति चम्पा देवी, हरियाणा से संसद सदस्य श्री राम चन्द्र बैदा की माता श्रीमकित चावली देवी और हरियाणा के संसद सदस्यराव इन्द्रजीत सिंह की माता श्रीमति चन्द्र प्रभा के दुखद निधन पर तथा हमारे संसद सदस्य श्री कि ान सिंह सांगवान के पिता श्री सूरजमल के दुखद निधन पर हमें भारी दुख हैंमै आपी और से ओर दल की ओर से इन सभी महानुभावों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी तरह से रेल, भू–स्खलन और भगदड़ दुर्घटना में मारे गऐ लोगों के परिवारों के प्रति हम अपनी ओर से संवेदना प्रकट करते है। स्पीकर साहब, इन्ही भाब्दों के साथ मै अपनी ओर से और अपने दल की ओर से दिवंगत आत्माओं के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण दिवंगत आत्माओं के प्रति विभिनन पाटियों के नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए है। मै भी अपने आपकों उनकी भावनााअें के साथ सम्मिलित करता हूं। पिछले सै ान और इस सै ान के बीच में हमारे से कुछ बहुत बड़े राजनेता, कुछ विद्वान, कुछ वीर सैनिक और कुछ दुसरे व्यक्ति बिछड़ गए हैं। यह तो प्रकृति का नियम है कि जो इस संसार मे आता है। उसको एक दिन जाना है लेकिन इनमें से कुछ असामयिक मौतें बड़ी दुखदायी है।

चौधरी रिजक राम जी हरियाणा की राजनीतिक में एक प्रेरणा स्त्रौत थे। उनका एक लम्बा राजनीतिक जीवन और ि ाक्षाप्रद जीवन था। उनका जीवन हमें यह बताता है कि किस प्रकार व्यक्तिगत स्वार्थो को छोड़कर हरियाणा और दे ा के हिता की भावना उनमें थी। वे कई बार इस सदन के सदस्य रहे। इसी प्रकार से वे राज्य सभा और लोक सभा के सदस्य भी रहे। उनकी मृत्यु से हम एक अच्छे प्र ाासन व अनुभवी सांसद की सेवओं से वंचित हो गए हैं मै परमपिता परमात्मका से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस आघात को सहन करने की भाक्ति दें।

श्री भोर सिंह जी पिछले सदन से हमारी साथी थे। इससे पहले भी वे एक बार इस सदन के सदस्य रह चुके हैं वे केवल 50–52 की उम्र में ही इस संसार से चले गए। वे एक गरीब परिवार से सम्बिधत थे तथा संघर्श करते हुए राजनीति में यहां तक पहुंचे। उन्होने एक संघर्शमय जीवन व्यतीत किया। मै इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री सु ाील चन्द मोहनता भूतपूर्व सांसद थे। उन्हें दारे बार इस प्रदेश का एडवोकेट जनरल रहने का अवसर मिला। उनके निधन से प्रदे ा एक प्रख्यात वकील और सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया हैं मै दिवंगत आत्मा की भाांति की कामना करते

हुए प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को यह यह दु:ख सहन करने की भाक्ति दें।

श्री दीनानाथ अग्रवाल संयुक्त पंजाब के सदस्य थे। वे एक महान उद्योगपति भी थे। उनके निधन से हमें दु:ख हैं मै भाोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री तिलकराज चड्डा जी एक महान उच्च कोटि के ि ाक्षा भास्त्री थे। उनके चले जाने से हमें आघात पहुंचा हैं हम एक महान ि ाक्षा विद की सेवाओं से वंचित हो गए हैं यह सदन दिवंगत की आत्मा की भांति की कामना करता हैं कि भगवान उनकी आत्मा को भान्ति प्रदान करें।

कर्नल होि ायार सिंह हरियाणा के वीर सैनिकों को कड़ी में एक वीर सैनिक थे। उन्होने हर प्रकार से बहादुरी के साथ कम करते हुए अपना काम किया जिस कारण उन्हे ंपरमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। यह इस बात का द्योतक है कि वे एक उच्च कोटी के वीर सैनिक थे। उनके निधन से दे ा एक वीर सैनिक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं

श्री बलवान सिंह भी इसी कड़ी के एक वीर सैनिक थे। वे मात्र 34 साल की उम्र में ही देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए भाहीद हो गए। जिस प्रकार उनहोने अपना बलिदान किया उससे ऐसे वीर सैनिक पर हमें गर्व हैं मै परमपिता परमात्मा से

प्रार्थना करता हूं कि उनके भाोकस संतप्त परिवार को इस महान दुःख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

श्री चन्दू लाल जी एक वीर स्वतंत्रता सेनानी थे। यह सदन भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

इस सदन के माननीय सदस्य व मंत्री श्री जगदीश यादव की माता श्रीमती चम्पा देवी, हरियाणा के संसद सदस्य श्री रामचन्द्र बैन्दा की माता श्रीमती चावली देवी, राव इन्द्रजीत सिंह, संसद सदस्य की माता श्रीमती चन्द्र प्रभा हरियाणा के संसद सदस्य श्री कि ान सिंह सांगवान के पिता श्री सूरज जी के निधन पर भाोक प्रकट करता है।

इन सब दिवंगत आत्माओं के प्रति मै अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। इसी प्रकार से रेल, भू–स्खलन एवं भगदड़ दुर्घटना मे जिन निर्दोश व्यक्तियों, बाल एव ंवृद्धों के अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा हैं उन दिवंगत आत्माओं के प्रति यह सदन भाोक व्यक्त करता हैं परमपिता परमे वर इन दिवंगत आत्माओं को भााति प्रदान करें। मै सभी भाोक व्यक्त करता है ंपरमपिता परमे वर इन दिवंगत आत्माओं को भाांति प्रदान करें। मै सभी भाोक संतप्त परिवारों को सदन द्वारा प्रकट की गई संवेदना पहुंचा दूंगा। अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में

श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनअ का मौन धारण करने के लिए खड़े होने का अनुरोध करता हूं।

(इस समय दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

घोशणाएं

(क) अध्यक्ष महोदय द्वारा–

(i) चेयरपर्सनज के नामों की सूचीः–

Mr. Speaker: Hon'ble Members, under rule 13(1) of the Rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the panel of Chairpersons:-

1.	Sh. Narpender Singh
2.	Sh. Ramesh Kashyap
3.	Sh. Bijender Singh Kadyan
4.	Sh. Balwant Singh Maina

(ii) याचिका समितिः

Mr.Speaker: Hon'ble Members, I nominate the following members to serve on the Committee on Petitions under rule 303(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legilative Assembly:-

1.	Sh. Faquir Chand Aggarwal,	Ex-Officio Chariperson
	Deputy Speaker	
2.	Sh. Narpender Singh	Members
3.	Sh. Anand Kumar Sharma	Members
4.	Sh Somvir Singh	Members
5.	Sh. Siri Kishan Hooda	Members

(ख) सचित द्वारा–

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गये बिलों संबंधी

Mr Speaker: Now, the Secretary will make announcement.

सचिवः महोदय, मै उन विधेयकों को द र्ानो वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने नवम्बर, 1996 तथा जुलाई, 1998 में हुए सत्रों में पारित्र किए थे तथा जिन पर राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादन सदन की मेज पर रखता हूं।

Statement

November Session, 1996

1. The Haryana Lokpal Bill, 1996

July Session, 1998

1. The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1998.

2. The Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1998

3. The Pubjab Excise (Haryaja Third Amendement) Bill, 1998

4. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1998.

5. The Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1998.

6. The Haryana Legislative Assembly Speaker's And Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1998.

7. The Haryana Legislative Assmbly (Allowance and Pension of Members) Amendment Bill, 1998.

8. The Haryana Legislative Assembly (Allownaces an Pension of Members) Amendment Bill, 1998.

9. The Haryana Salaries and Allowances of Minister (Amendment) Bill, 1998

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Membes, now the Minister of State for Parliamnetary Affars will move the motion under rule 121 for suspension of rule 30.

Minister of State for Publice Relation (Sh. Attar Singh Saini);

Sir, I beg to move—

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemblybe suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 28the January, 1999.

Sir, I also move—

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemblybe suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 28the January, 1999.

Mr. Speaker: Motion moved-

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemblybe suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 28the January, 1999.

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemblybe suspended and Government Business on Thursday, the 28the January, 1999.

The motion was carried

बिजनैस एडवाईजारी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Commitee-

The Committee met at 11-00A.M. on Thursday, the 28the January, 1999 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in Session, shall meet on Monday, Tuesdays, Wednesday s and Thursday s at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Friday at 10.00 A.M. and adjourn at 2.00 P.M. without question being put.

However, on Thursday, the 28th January, 1999 the Assembly shall meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address an adjourn after the conclusion of Business entered in the list of Business for the day.

The Committee also recommends that on Friday, the 12the February, 1999 the Assembly shall meet at 10.00 A.M. and adjourn after conclusion of the Business entered in the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion, also recommends that the Business on 28th, 29th January, 1999, 1st February to 5th February, 1999, 8th February to 10th February, 1999 and 12th February, 1999, be transacted by the Sabha as under:—

The House will meet immediately half an hour after	1. Laying of a copy of the Governor's Address on the

the conclusion of the Governor's Address on the 28th January, 1999	Table
	2. Obituary References.
	3. Motion under Rule 121 for the Suspension of Rule 30.
	4. Presentation and adoption of first Report of Business Advisory Committee.
	5. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	6. Presentation of the Preliminary Report of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the Final report thereon.
Friday, the 29th January, 1999 **(10.00 A.M.)**	1. Question Hour.
	2. Discussion of Governor's Address
Saturday, the 30th January, 1999	Off day

Sunday, the 31st January, 1999	Holiday
Monday, the 1st February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour.
	2. Resumption of discussion on Governor's Address
Tuesday, the 2nd February, 1999	1. Question Hour.
	2. Resumption of discussion on Governor's Address
	3. Presentation of supplementary Estimates for the year 1998-99 and the Report of the Estimates Committee thereon.
	4. Official Resolution. if any
Wednesday, the 3rd February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hours.
	2. Presentation of Budget Estimates for the year 1999-2000.

Thursday, the 4th February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour.
	2. Private Members Business.
Friday, the 5th February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour.
	2. Papers to be laid, if any
	3. General discussion on Budget Estimates for the year 1999-2000
Saturday the 6th February, 1999	Off day.
Sunday, the 7th February, 1999	Holiday
Monday, the 8th February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour.
	2. Resumption of General Discussion on Budget Estimates for the year 1999-2000
Tuesday, the 9th February, 1999	1. Question Hour.

(2.00 P.M.)	
	2. Resumption of General Discussion on Budget Estimates for the year 1999-2000
Wednesday, the 10th February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour
	2. Presentation on Assembly Committees Report.
	3. Discussion and voting on supplementary Estimates for the year 1999-2000
	4. Discussion and voting on Demands for Grants on Budget Estimates for the year 1999-2000
	5. Legislative Business.
Thursday, the 11th February, 1999	Holiday
Friday, the 9th February, 1999 **(2.00 P.M.)**	1. Question Hour.
	2. Motion under Rule 15

	regarding non-stop sitting.
	3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine die.
	4. Presentation of Report of the Assembly committees.
	5. The Haryana Appropriation Bill in respect of supplementary Estimates for the year 1989-99
	6. The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 1999-200
	7. Legislative Business.
	8. Any other Business.”

Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Minister of State Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री बीरेन्द्र सिह (उचाना कलां): स्पीकर सर, इसमे अगर कोई ओफि ियल रैजोलू ान हो, अगकर हमें एक आध दिन पहले पता लग जाये तो ज्यादा अच्छा होगा।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, जो आप कहना चाह हरहे है, वहे तो पहले आ गया हैं

श्री बीरेन्द्र सिहः सर, दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि यह जो डिसक ान एण्ड वोटिंग ऑन डिमांड्स फोर ग्रान्टर एवं डिसक ान एंड वोटिंग ऑन सप्लीमैन्ट्री है, इसके लिऐ आपने एक ही दिन रख दिया। सर, ग्रन्ट्स तो इतान लम्बा चौडा सब्जैक्ट है कि इसके लिए यदि आप थोड़ा समय देगे तेा एवे उकनी कार्य ौली की कमिया बता पायंगे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, इसके लिए पूरा समय दें क्योंकि लिए दिन का समय बहुत कम हैं अध्यक्ष होदय, एक और बात मै यह कहना चाहता हूं कि जो लैजिसलेअिव बिजनैस है वह बी0 ए0 सी0 की रिपोर्ट में 10 ओर 12 तारीख में फिक्स किया गया है पहले भी हाउस में लैजिसलेटिव बिजनैस के बारे में कई बार चर्चा हुई है लेकिन अब तो यह एक प्रथा सी बन गयी हं कि दिन के दिन ही हमारे को सारा बिजनैस दिया जाता हैं इसलिए इतने थोडे समय में इनको

पढ़ नही पाते है। हम सब मैम्बर्ज को इनको पढ़ने में बहुत समय लगता हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि अगर कोई अमैडमैंटस के लिए नया बिल हो तो उसके लिए हमें कम से कम चार दिन का समय पहले दिया जाना चाहिए।

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर सर, बीरेन्द्र सिंह जी ने जो सप्लीमैंट्री डिमांउ के बारे में कहा है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि प्रथा तो अब तक यही रही है कि बजट की डिमांड के साथ ही सप्लीमैंटरी डिमांड पर चर्चा को जाती है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, सप्लीमैंटरी डिमांडज तो पिछले साल की है लेकिन अगर उसी दिन बजट की डिमांडज पर भी चर्चा हो तो कैसे मैम्बर्ज उर पर अपने विचार रख सकते है। क्योंकि इससे मैमबर्ज कंफ्यूज हो जाते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सप्लीमैंटरी डिमांडज तो पिछले वर्श की होतीहै इसलिए इन पर अलग से डिसक ान नही होती।

श्री बीरेन्द्र सिंहः जब जनरल बजट पर डिसक ान खात हो जाएगी तो उसके बाद जो हर डिपार्टमैंट की सैकेंड रीडिंग डिमांडज की है उसके लिए ज्यादा समय निर्धारित नही किया गया है इसलिए मै चाहूंगा कि इस पर डिसक ान के लिए अलग से समय दिया जाना चाहिए।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, बिजनैस ऐउवाइजरी कमेटी ने जो अपनी रिपोर्ट दी है वह आपके सामने हैं अग ये उस वक्त कमेटी की मीटिंग में आ जाते है तो they could have made thir suggestion. Now ther is no question of amendment. They were represented in that Committee. हर पार्टी उस कमेटी की मीटिंग में अपना रिप्रैजेंटेटिव भेजती हैं इसलिए उस कमेअी की मीटिंग मे जो फैसला हो गया, सो हो गया। They Were represented in the committee and they were supposed to attend that meeting. But they did not attend it. अब इनकी यह क्या बात हुई। उक कमेटी ने जो फैसला दे दिया, सो दे दिया, सो दे दिया।

श्री सम्पत सिहः सम्पत सिंह जी, यह उसी प्रजातंत्र की प्रणाली का एक हिस्सा है जिसमें आप रहे है। Your party has been represented.

श्री संपत सिंहः सर, इन्होने यह कैसे कह दिया कि जो फैसला हो गया, सो हो गया? ऐसा नही होना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संपत सिह जी, गोदारा साहब का कहने का मतलब यह था कि आपकी पार्टी का रिप्रैजेंटेटिव उस कमेटी की मीटिंग में नही आया। अगर आपका कोई रिप्रैजंटेटिव उस कमेटी की मीटिंग में आ जाता, तो वह अपने सुझाव उस वक्त देसकता था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः सर, ये प्रजातंत्र की बात कह ही नही सकते। ((ाोर एवं व्यवधान) इनकी पार्टी के मैम्बर्ज बिजनैस ऐडवाजरी की मीटिंग में तो जाते नही है ओर हब ये यहां पर उसकी रिपोर्ट के बारे में कह रहे हैं ये कमेटी की मीटिंग में जाते हुए तो भार्माते हैं

श्री सम्पत सिहः स्पीकर सर, क्या सांगवान साहब की ड्यूटी यही है। कि जब हम कुछ बोलने के लिए खड़े हो तो हमारेसाथ ही ये भी बोलने के लिए खड़े हो जाए। स्पीकर सर, बी0 एल0सी0 की रिपोर्ट के बारे में तै दो तीन सुझाव आपको देना चाहता हूं। सरकार मेरे इन सुझावों को माने या न माने यह उनकी मर्जी है क्योंकि उनकी पार्टी मैजौरिटी में है। हम तो केवल सरकार को राय ही दे सकते हैं स्पीकर सर, गवर्नन एड्रैस और बजट पर डिसक ान के लिए बी0 सी0 सी0 की रिपोर्ट में केवल दो–दो दिन ही फिक्स किए गए है जोकि कम हैं दूसरे दिन तो सरकार की तरफ से इनका रिप्लाई दिया जाएगा। उस दिन जब मैमबर्ज बोलने `लिए आपसे कहेगे तो उस समय कह दिया जाएगा कि इन दोनों आईटम्ज पर डिसक ान करत हुए दो दिनहो गया इसलिए अब सरकार की तरफ से रिप्लाई आएगा। मेरा कहना यह है कि इसी तरह बजट पर फाइनैस मिनिस्टर ने रिप्लाई देनी होगी, उस परभी चर्चा के लिए दो दिन का समय रखा हैं मेरा कहना है कि इसके लिए एक–एक दिन का समय और बढ़ाया जाए ओर इसमें कोई लम्बी चौड़ी बात नही है। इतना ज्यादा

हैवी ि ाडयूल है जैसे 10 फरवरी की सप्लीमैंट्री ऐस्टीमेट्स पर डिसक ान है बजट की डिमांड भी उसी दिन रख दी और मेरे साथी मंत्री महोदय श्री कर्ण सिंह दलान ने कह दिया किस सप्लीमैंटरी डिमांड तो रस्सी होती यह पहले ही खर्च किया हाता हैं तो पहले का मतलबय यह नही है कि कोई बहुत पुराना किया हुआ खर्च है यह तो जो साल गया है उसका जो बजट था उससे फालतू खर्च हुआ है ओर उसके लिए सप्लीमैंटरी डिमांड आई हैं उसकी इजाजत देना का काम हाउस का हैं उसकसे रस्सी नही माना नही माना जाएगा। या तो यह हो कि जो करने वाले लोग हो वे चले गए हो ंऔर उसके लिए अकाउंटेबलिटी किसी फिक्सकरें तब तो यह बात ठीक हैं लेकिखन यह खर्च तो पिछले साल का है। इसलिए मेरा निवेदन है सप्लीमैंटरी डिमांडस के लिए अलग से दिन फिक्स हो। बजट तो जनरल बजट है उसकी डिमांड तो बाकायदा पटिकुलर डिमांड होती है ंआज आज हाउस के स्पीकर है उससे पहले आप विपक्ष में बैठते थे तो आप भी यही कहते थे कि डिमांड को एक दिन मे ंपास कर दिया जाएगा तो बोलने का समय कैसे मिलेगा। कई मैम्बर बोलने से छूट ाजते है तो उनहें डिमांउ पर बोलने का मौका मिल जाता है। डिमांड पर माइक्रो डिसक ान होती है उसी दिन लेजिस्लेटिव बिजनैस रख दिया है और एक घंटे का क्वै ाचन ऑवर हो गया। मु ाकल से दो घंटे मिलेगे और उसी में 3–3 बिजनैस ट्रांजैक्ट करने जा रहे है ंअगर इन तीनों के लिए एक–एक दिन का समय बढ़ाया जाए तो टोटल 4 दिन का समय कर दिया जाए तो कोई लम्बी चौडी

बात नही है। मुख्यमंत्री जी डर क्यों रहे है चार दिनकार समय बढ़ा दिया जाए यह मेरी अपील है।

श्री अध्यक्षः संपत सिह जी, आपने जो कहा है बिल्कुल ठीक है लेकिन सन् 1986 से अपटू 1999 का रिकार्ड मेरे सामने पड़ा है। डिमांड पर एक दिन से फालतू कभी भी डिसक ान नही हुई हैं, this is for your kind information इसमें सप्लीमैंटरी डिमांड भी आ गई ओर सारी बात आ गई।

श्री सम्पत सिहः स्पीकर सर, मेरी सबमी ान है कि हैल्दी ट्रेडी ान आप कभी डाल सते हैं कल कत्ल हो गया तो इसका मतलब यह नही कि आज भी होगा। आप पहले की बात कह रहे है तो पहले तो ऐसा भी हुआ कि एक ही दिन में बजट पांच मिनट मे पास हुआ है। फिर तो आप यह कह देगे कि पहले की तरह इस बार भी हो जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमी ान को आपने भी ऐप्रीि ाएट किया है और यदि स्पीकर ऐप्रीि ाएट करे तो हाउस के लीडर भी ऐप्रीि ाएट करते है। उम्मीद है कि मेरी सबमी ान को वे ऐप्रीि ाएट करेगें।

श्री मनीराम गोदाराः स्पीकर साहब, आपने जो बात कही हे उसके एक–एक भाब्द से मै ऐग्री करता हूं लेकिन सवाल इस चीज का है कि बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी किस लिए होती हैं This is for the working of the House उस मीटिंग में इनके प्रतिनिध आकरयदि इसी ई ू को उठाते तो उसमें कोई मुि ाकल

नही थी। सवाल इस चीज का है कि इन पर जो जिम्मेदारी डाली जाती है उस जिम्मेदारी को लेने को तो तैयार नही होते है और यह दिखाने के लिए खड़े हो जाते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री संपत सिंहः स्पीकर सर, यह अनपार्लियमैंटरी भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है। वह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, जो चौधरी संपत सिंह जी ने पिक्चर प्रस्तुत करने की कोि ा ा की हैं वह साहीनही हैं सही पिक्चर तो यह है कि 29 जनवरी को गवर्नन साहब के एड्रैस पर डिसक ान होगा, पहली फरवरी को गवर्नर साहब के एड्रैस पर डिसक ान होगा फिर दो फरवरी को गवर्नर साहब के एड्रैस पर डिसक ान होगा और इसी तरह से पांच, आठ और नौ फरवरी को बजअ पर डिसक ान होगा।

श्री सम्पत सिंहः तीसरे दिन तो रिप्लाई है।

श्री बंसील लालः अध्यक्ष महोदय, ये कहते है कि यह रिप्लाई है तो इस सदन के और सदस्यों को भी बोलने का अधिकार है सिर्फ ये ही बोलने नही जानते हमें भी बोलना आता हैं हम भी तो कुछ टाईम लेगे। आप कहते है कि एक–एक दिन और बढ़ाओं तो यह तो तीन दिन और हो गये क्योकि गवर्नर साहब के

एड्रैस पर तीन दिन डिसक ान होना है ओर जनरल बजट पर भी तीन दिन डिसक ान होना हैं

श्री अध्यक्षः चौधरी संपत सिंह जी, जनरल बजट पर और गवर्नर साहब के एड्रैस पर पिछले साल और उससे पिछले साल जो समय सदस्यों को बोलने के लिए मिला है उतना समय आज तक के समय में सबसे ज्यादा हैं उसमें कोई कमी नही होगी आप तब बोल लेना।

Now question is—

That this House agrees with the recommendations contained in the Firs Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now at Minister will lay/re-lay the paper on the table of the House.

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to re-lay on the table—

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 56/Const./Art.320/97, dated the 31st July, 1997 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Second Amendment Regulation, 1997 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 86/onst./Art. 3200/Amd. (3)97, dated the 17th November, 1997 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Third Amendment Regulation, 1997 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R. 100/H.A. 20/73/S.64/97, Date the 17th December, 1997 regarding the Haryana General Sales Tax (Fifth Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R. 101/H.A. 20/73/S.64/97, Date the 18th December, 1997 regarding the Haryana General Sales Tax (Fifth Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R. 17/H.A. 20/73/S.64/98, Date the 10th March, 1998 regarding the Haryana General Sales Tax (Fifth Amendment) Rules, 1997 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

Sir I also beg to lay on the Table—

The General Administration Department (Political Branch) Notification No. G.S. R. 85/H.A.2/1970/S.8/98, dated the 31st July, 1998 regarding the Haryana Minister Allowances (Amendment) Rules, 1998 as required under Section 9(2) of the Haryana Salaries and Allowance of Minister Act, 1970.

The General Administration Department (Political Branch) Notification No. G.S.R. 82/H.A.3/1975/S.8/98, dated the 31st July, 1998 regarding the Haryana Legislative Assembly, Speaker's and Deputy Speaker's Allowance (Amendment) Rules, 1998 as required under Section 8(2) of the Haryana Legislative Assembly, Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975

The General Administration Department (General Services) Notifcation No. G.S.R. 104/Const./Art. 320/Amd.(1)/98, dated the 25th September, 1998 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Firs Amendment Regulations, 1998 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Commercial Taxes Department Notification No. G.S.R. 20./73/S.64/98, Date the 24th August, 1998 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1998 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973

The Power Department Notification No. S.O. 106/98/S/23, 2425/98, dated the 14th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O. 111/H.A. 10/98/S.55/98, dated the 16th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The 30th Annual Report of the Haryana Warehousing corporation for the year 1996-97 as required under Section 31(11) of the Warehousing Corporation Act, 1962.

The Annual Report of Chaudhary Charn Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1994-45 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board for year 1994-95 and 1995-96 as required under Section 19A(3) of the Comptroller an Audition General of India (Duties, Power, and conditions of Service) Act, 1971.

The 30th Annual Rep[ort of the Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the year 1996-97 as required under Section 619A(3) of the Companies Act, 1956.

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & control of Water Pollution for the year 1992-93 as required under Section 39(2) of the Water prevention & Control of Polluting) Act, 1974.

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & control of Water Pollution for the year 1993-94 as required under Section 39(2) of the water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974.

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & control of water Pollution for the year 1994-95 as

required under Section 39(2) of the Water (Prevention & control of Pollution) Act, 1974.

वि ोशाधिकार मामलों के संबंध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भि प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री भजन लाल, भूतपूर्व, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Sh. Narpender Singh, M.L.A. Chairperson, Privileges Committee Will present the Fourth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh. Jagan Nath, Minister against Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. (Now M.P.) and Former Leader of the Congress Legislative Party, who made a press statement in the Press lobby/lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him wistfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22.11.1996.

Chairperson, Privileges Committee (Sh. Narpender Singh) Sir, I beg to present the Fourth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh. Jagan Nath, Minister against Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. (Now M.P.) and further Leader of the Congress Legislative Party, who made a press statement in the press lobby/lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the

conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against his willfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried

(ii) इंडियन एक्सप्रैस के संवादाता, सम्पादक, प्रका ाक तथा मुद्रक के विरूद्ध

Mr. Speaker: No Sh. Narpender Singh Chairperson, committee of Privileges will present the Fourth preliminary Report of the Committee, on the mater in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Sh. Janan Nath, Minister against the Correspondent, Edition,

Publisher and Printer of the Indian Express for publishing the statement of Sh. Bhajan Lal Ex-M.L.A. (Now M.P.) containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act this has lowered the prestige and dignity of the chair in the eyes of the public, in the issue of Indian Express dated 22-11-1996.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next Session.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 10-00 A.M. tomorrow.

16-45 Hrs.

(The House then adjourned till 10-00 A.M. on Friday, the 29th January, 1999)